मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, बुधवार, 22 अप्रैल 2026

संवत 2083, वैशाख शुक्ल 5 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 217 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक

4 ▸▸ परंपरा,बाजार और बदलती पहचाल

तब्बू ने वर्सोवा में खरीदा? 10 करोड़ का अपार्टमेंट 6

रांची पुलिस के साथ एनकाउंटर में अपराधी सत्यम पाठक घायल

एक पुलिसकर्मी को भी लगी गोली

मेट्रो रेज

रांची: रांची के पंडरा में हुए जमीन कारोबारी की हत्या मामले में शामिल कुख्यात अपराधी सत्यम पाठक और पुलिस टीम के बीच जबर्दस्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में सत्यम पाठक घायल हो गया है, जबकि पुलिस का एक जवान भी घायल हुआ है।

हथियार उपलब्ध करवाने के दौरान फरार होने की कोशिश : पंडरा में जमीन कारोबारी भार्गव सिंह की हत्या के आरोपी शूटर सत्यम पाठक ने पूछताछ में बताया था कि उसने कांके डैम के पास दो हथियार छुपा रखे हैं। बुधवार सुबह पुलिस टीम उसे लेकर हथियार बरामदगी के लिए कांके डैम पहुंची। इसी दौरान सत्यम पाठक ने कथित तौर पर एक पुलिसकर्मी का हथियार छीन लिया और फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। स्थिति बिगड़ते देख पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें सत्यम पाठक के दोनों पैरों में गोली लगी। उसके हाथ में भी चोट आई है। घायल अवस्था में उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां इलाज जारी है।

पूर्व पार्षद वेद प्रकाश हत्याकांड में भी था शामिल : जांच में यह भी सामने आया है कि सत्यम पाठक धुर्वा के पूर्व पार्षद और भाजपा नेता वेद प्रकाश सिंह की हत्या में भी शामिल था। 7 जुलाई 2024 की शाम करीब सात बजे धुर्वा बस स्टैंड के पास एक दुकान पर बैठे वेद प्रकाश सिंह पर बाइक सवार तीन अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। गोली उनकी गर्दन में लगी थी। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए एम्स दिल्ली ले जाया गया, जहां 3 अगस्त 2024 को उनकी मौत हो गई थी।

दूसरे विश्व युद्ध का 227 किलो का बम डिफ्यूज

स्वर्णरेखा नदी के किनारे किया गया विस्फोट

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा स्थित पानीपड़ा-नागुइसाई के समीप स्वर्णरेखा नदी तट पर मिला द्वितीय विश्व युद्ध का बम बरामद कर उसे डिफ्यूज कर दिया गया है। बुधवार को भारतीय सेना के विशेषज्ञों ने एक जटिल ऑपरेशन के तहत इस 227 किलोग्राम वाले बम को सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया। इस बम के मिलने के बाद से ही पूरे इलाके में दहशत का माहौल था, जिसे सेना की सूझबूझ ने खत्म कर दिया है।

सुरक्षा घेरे में किया गया नियंत्रित विस्फोट : यूएसए एएनएम-64 मार्का के इस अमेरिका निर्मित बम को निष्क्रिय करने के लिए सेना ने विशेष रणनीति अपनाई। बम को करीब 10 फीट गहरे गड्ढे में रखा गया और उसे बालू की बोरियों से पूरी तरह ढंक दिया गया ताकि विस्फोट का असर नियंत्रित रहे। सुरक्षा के मद्देनजर विस्फोट स्थल से एक किलोमीटर के दायरे को पूरी तरह खाली करा दिया गया था और बंगाल-झारखंड सीमा पर लोगों के आवागमन पर रोक लगा दी गई थी।

कैप्टन आयुष सिंह के नेतृत्व में हुआ ऑपरेशन : इस संवेदनशील मिशन का नेतृत्व कैप्टन आयुष कुमार सिंह कर रहे थे, जबकि पूरी कार्रवाई लेफ्टिनेंट कर्नल धर्मेंद्र सिंह के दिशा-निर्देशों में संपन्न हुई। कलाइकुंडा एयरबेस से तालमेल स्थापित करने के बाद, सेना ने करीब एक किलोमीटर की सुरक्षित दूरी से डेटोनेटर के माध्यम से बम में नियंत्रित विस्फोट किया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि आसपास की धरती हिल गई और इसकी गूंज सुदूर ग्रामीण इलाकों तक सुनाई दी।

80 साल पहले गिराया गया था यह बम : विशेषज्ञों के अनुसार, यह बम द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के दौरान गिराया गया होगा, जो दशकों से नदी की रेत में सुरक्षित दबा हुआ था। यह 15 अप्रैल को अचानक नदी तट पर दिखाई दिया था, जिसकी सूचना बहरागोड़ा थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाह ने तत्काल वरीय अधिकारियों को दी थी। पिछले चार दिनों से सेना की टीम लगातार इस स्थल की रेकी और सुरक्षा मानकों की जांच कर रही थी।

प्रशासन और जनता ने ली राहत की सांस : बम के सफलतापूर्वक नष्ट होने के बाद जिला प्रशासन और स्थानीय ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। इस इलाके में दूसरी बार इस तरह का युद्धकालीन बम मिला है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सामरिक महत्व को भी दशार्ता है। पुलिस ने फिलहाल लोगों को नदी तट के उस हिस्से की ओर अभी न जाने की सलाह दी है जब तक कि पूरी तरह जांच पूर्ण न हो जाए।

जर्मनी से राजनाथ सिंह ने बोला पाकिस्तान पर हमला

हमारे सारे पड़ोसी ठीक,बस एक ही परेशान करने वाला

नई दिल्ली/जर्मनी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में पाकिस्तान को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि हमारे सभी पड़ोसी ठीक हैं, सिर्फ एक गड़बड़ है। पहलगाम हमले की पहली बरसी के दिन सिंह ने कहा कि ऑपरेश सिंदूर में जो कमाल हुआ वो बताने की जरूरत नहीं है। हमारी मिलिट्री पावर मजबूत हुई है। भारत ने कभी किसी पर आक्रमण नहीं किया। किसी पड़ोसी ने छेड़खानी करने की कोशिश की तो उसे छोड़ेंगे नहीं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर में हमारी सेना ने जो किया है, वह आपको बताने की जरूरत नहीं है। हमारी मिलिट्री पावर भी पहले से ज्यादा मजबूत हुई है। भारत ने अपनी तरफ से दुनिया के किसी भी देश पर कभी हमला नहीं किया। लेकिन अगर कोई पड़ोसी परेशानी खड़ी करने की कोशिश करता है, हमारे सभी पड़ोसी ठीक हैं, बस एक ही परेशानी वाला है। भारतीय समुदाय के कार्यक्रम में बोलते हुए, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा जब दुनिया के कई बड़े देश आर्थिक मंदी का सामना कर रहे हैं, भारत की अर्थव्यवस्था आज लगभग 7% की विकास दर से आगे बढ़ रही है। भारत शिक्षा, कौशल, अनुसंधान और नवाचार में अभूतपूर्व पैमाने पर काम कर रहा है। अब, अगर मैं उपलब्धियों पर चर्चा करना शुरू करता हूं, तो यह एक लंबी सूची है। आज, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है। आज, दुनिया का हर 10वां यूनिकॉर्न भारतीय है। भारत तीसरा सबसे बड़ा अक इकोसिस्टम है।

राजनाथ सिंह ने कहा ₹पिछले कुछ वर्षों में, हमने वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता देखी है। और इसी बात को ध्यान में रखते हुए। हमारे देश ने करीब 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किए हैं, जो भारत के ट्रेड इतिहास में एक मील का पत्थर है। इससे हमारे मैन्युफैक्चरर्स और प्रोड्यूसर्स को अपने प्रोडक्ट्स कई मार्केट में बेचने की सुविधा मिलती है।

झारखंड हाईकोर्ट का आदेश

अब जंगलों के 500 मीटर दायरे के बाहर ही होगा खनन

250 मीटर वाला नियम रद्द

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य में संरक्षित जंगलों की सीमा से पत्थर खनन और क्रशर लगाने के लिए न्यूनतम दूरी 250 मीटर से बढ़ाकर 500 मीटर कर दी है। यानी जंगलों से 500 मीटर के दायरे के बाहर ही खनन की अनुमति रहेगी। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने गुरुवार को पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्देश दिया। मामले की अंतिम सुनवाई अब 18 जून 2026 को होगी। तब तक यह व्यवस्था जारी रहेगी। खंडपीठ ने कहा, जेएसपीसीबी (राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) द्वारा 2015 व 2017 में जारी अधिसूचनाओं में दूरी घटा 250 मीटर की गई थी। इसपर कोर्ट ने कहा, दूरी घटाना अप्रासंगिक तथ्यों पर आधारित है। फिर कोर्ट ने इन अधिसूचनाओं को खारिज कर पहले वाली व्यवस्था यानी 500 मीटर दूरी बहाल कर दी।

जनवरी में 1 किमी के दायरे में खनन पर रोक लगी थी : कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 16 जनवरी, 2026 वाला वह आदेश, जिसमें संरक्षित जंगलों से एक किमी के दायरे में खनन पर रोक लगाई गई थी, सुप्रीम कोर्ट के आदेश की गलत व्याख्या पर आधारित था। सुप्रीम कोर्ट ने तीन जून 2022 और 26 अप्रैल 2023 के आदेशों में स्पष्ट किया था कि एक किमी का ईको-सेंसिटिव जोन मात्र राष्ट्रीय उद्यानों व वन्यजीव अभयारण्यों के लिए है, न कि सामान्य संरक्षित जंगलों के लिए। पत्थर खनन के लिए मात्र 250 मीटर की दूरी मनमाना है। इस संबंध में पूर्व वन अधिकारी आनंद कुमार ने जनहित अर्जी दी है। जिसमें कहा कि 250 मीटर का बफर जोन पर्यावरण के लिए घातक है।

कोर्ट ने क्या दिया तर्क : कोर्ट ने जेएसपीसीबी की 2015 की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि समिति में ज्यादातर नौकरशाह शामिल थे। इसमें वन एवं पर्यावरण के विशेषज्ञों को शामिल नहीं किया गया। समिति ने बिना झारखंड के जंगलों की स्थिति का आकलन किए, अन्य राज्यों (बिहार, ओडिशा, पंजाब) के नियमों के तहत दूरी घटा दी।

कोडरमा में नहीं थम रहा हाथियों का आतंक

2 को कुचलकर मार डाला दुधमुंहा बच्चा भी बना शिकार

कोडरमा : कोडरमा जिले में बुधवार को हाथियों के झुंड ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला। मृतकों में दस महीने का एक बच्चा भी शामिल था। मृतक मासूम के परिजन ईंट-भट्ठा पर मजदूरी करते हैं। मंगलवार रात सोने के दौरान हाथियों के झुंड ने उनकी झोपड़ी पर हमला कर दिया था, जिसमें दूध पीते मासूम बच्चे की मौत हो गई। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पीड़ितों के साथ बातचीत कर उनका हाल जाना।

सोते हुए मासूम पर हाथियों का हमला : मामला कोडरमा के जयनगर का है। यहां मंगलवार की रात को ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने के बाद दंपति अपने 10 महीने के मासूम बच्चे के साथ सो रहे था। रात में हाथियों का एक झुंड वहां से गुजरात और झोपड़ी पर हमला कर दिया। इस हमले में 10 महीने का दूध पीते बच्चे की मौत हो गई। इसके अलावा दूसरी घटना में एक शख्स की मौत हो गई। इस तरह एक रात में हाथियों ने दो लोगों को मौत के घाट उतार दिया।

मंगलवार रात हाथियों के हमले में 2 की मौत की जानकारी पुलिस को हुई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी। इस घटना की जानकारी देते हुए बताया गया कि वन विभाग की लापरवाही की वजह से अब तक एक महीने में करीब 8 लोगों की जान जा चुकी है।

केदारनाथ धाम के कपाट खुले, 51 क्विंटल गेंदे के फूलों से हुआ मंदिर का श्रृंगार

केदारनाथ: हिमालय की गोद में बसे विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम के कपाट आज विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। धाम के कपाट खुलने के समय केदारनाथ मंदिर को 51 क्विंटल ताजे गेंदे के फूलों से सजाया गया था। सीएम पुष्कर सिंह धामी खुद केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साक्षी बने। सीएम धामी ने मंदिर में पहली पूजा की। कपाट खुलने को लेकर देश-विदेश से पहुंचे भक्तों में भारी उत्साह देखा गया। बाबा केदार के जयकारों से पूरा धाम गुंजायमान है। वातावरण पूरी तरह भक्ति के रंग में रंग चुका है।

सीएम धामी ने पीएम मोदी के नाम से की पहली पूजाः बदरी-केदार मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने बताया कि सीएम धामी ने पीएम मोदी के नाम से भगवान केदारनाथ की पहली पूजा की। आज 10 हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट खुलने के साक्षी बने। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने अपने संदेश में श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर शुभकामनाएं दी। केदारनाथ में दिख रही बर्फः कपाट खुलने के अवसर पर दानी दाताओं के सहयोग से बीकेटीसी द्वारा केदारनाथ धाम को कई क्विंटल फूलों से सजाया गया। बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के लिए भंडारे भी लगाये गए। केदारनाथ धाम में विगत दिनों से मौसम सामान्यतौर पर साफ है। संपूर्ण केदारनाथ क्षेत्र में हल्की बर्फ नजर आ रही है तथा मौसम सर्द बना हुआ है। कपाट खुलने की प्रक्रिया आज सुबह पांच बजे से शुरू हुई सुबह साढ़े पांच बजे से श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) कर्मचारी मंदिर परिसर में तैनात हो गये थे। सुबह सात बजे श्री केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग, पुजारी टी गंगाधर लिंग, विधायक केदारनाथ आशा नौटियाल, बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी, बीकेटीसी उपाध्यक्ष विजय कप्रवाण, जिलाधिकारी एवं बीकेटीसी मुख्य कार्याधिकारी विशाल मिश्रा, धमार्चार्यों वेदपाठीगणों भैरव नाथ जी के पश्वा अरविंद शुक्ला ने पूरब द्वार से मंदिर में प्रवेश किया तथा मंदिर के गर्भगृह के द्वार की पूजा-अर्चना में शामिल हुए। देवी देवताओं का आव्हान कर जन कल्याण की कामना तथा संकल्प के साथ ही ठीक प्रातः आठ बजे श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए दर्शनार्थ खोल दिये गये।इसी समय मंदिर का मुख्य अर्थात दक्षिण द्वार भी खुल गया। बीकेटीसी अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने इस अवसर पर यात्रा से जुड़े सभी विभागों का आभार जताया कहा कि मंदिर समिति श्रद्धालुओं को सरल सुगम दर्शन व्यवस्था हेतु प्रतिबद्ध है। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देश में श्री केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण हुआ है।

ओमान तट के पास कंटेनर जहाज पर फायरिंग, ईरान ने दिया कानून का हवाला

तेहरान/लंदन : ओमान के तट के पास एक कंटेनर जहाज पर कथित फायरिंग और हस्तक्षेप की घटना ने क्षेत्रीय समुद्री सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी तस्नीम न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि देश की सेना ने ₹मेरीटाइम लॉ₹ के तहत कार्रवाई की। इस जहाज ने बार-बार दी गई चेतावनियों की अनदेखी की थी। यह बयान ऐसे समय आया है जब यूके मेरीटाइम ट्रेड ऑपरेशन्स (यूकेएमटीओ) ने भी एक घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि उसे ओमान के उत्तर-पूर्व में लगभग 15 नॉटिकल मील (करीब 27-28 किमी) दूरी पर एक कंटेनर जहाज से जुड़ी घटना की सूचना मिली है। यूकेएमटीओ के अनुसार, जहाज के मास्टर ने रिपोर्ट दी कि एक इस्लामिक रेवोल्युशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की गनबोट ने जहाज के करीब आकर उस पर फायरिंग की। इस हमले में जहाज के ब्रिज (नियंत्रण कक्ष) को भारी नुकसान पहुंचा, हालांकि किसी तरह की आग या जनहानि की सूचना नहीं है। सभी चालक दल के सदस्य सुरक्षित बताए गए हैं।

पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर लोगों ने दी श्रद्धांजलि

एलजी, सीएम से लेकर पोनीवाले तक की यादें ताजा हुईं

श्रीनगर: पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है, लेकिन कश्मीर में उस दुखद घटना की यादें अभी भी ताजा हैं। आज उस घटना को एक साल पूरा हो गया है, जब आतंकवादियों ने बैसरन के घास के मैदान पर हमला कर दिया था।

इस हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय पोनी-वाला (घोड़ा चलाने वाला) आदिल हुसैन शाह की मौत हो गई थी। आदिल ने पर्यटकों को बचाने की कोशिश की थी। इस घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के नेतृत्व वाले प्रशासन ने जम्मू-कश्मीर भर में बैसरन सहित लगभग 50 पर्यटन स्थलों को बंद करने का आदेश दिया था।

लगभग सभी जगहें विजिटर्स के लिए खोल दी गई हैं, सिर्फ बैसरन अभी भी बंद है। पहलगाम और दूसरी जगहों पर टूरिस्ट जगहों और राजधानी श्रीनगर में सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है। इसके बाद लगातार प्रयास करते रहने से सिक्योरिटी फोर्स को कुछ बड़ी जीत मिली है, जिसमें घाटी के ऊंचे इलाकों में 'ऑपरेशन महादेव' के दौरान जानलेवा हमले के लिए जिम्मेदार तीन आतंकवादियों को मार गिराना भी शामिल है। तब से पूरे केंद्र शासित प्रदेश में लगभग 46 आतंकवादी मारे गए हैं।

दो खास तौर पर प्रशिक्षित यूनिट बनाई गई- जम्मू के घने जंगलों के लिए 'मार्खोर' और कश्मीर की ऊँची चोटियों के लिए 'स्नो लेपर्ड'। इन यूनिटों को आंध्र प्रदेश की 'ग्रेहाउंड्स' कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षित किया गया, जहाँ खास यूनिटें माओवादियों से लड़ने की ट्रेनिंग लेती हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस बदलाव की वजह से सुरक्षा व्यवस्था में अहम फेरबदल किए गए, ताकि कश्मीर और जम्मू दोनों जगहों के घने जंगलों से ऑपरेट करने वाले आतंकवादियों का मुकाबला किया जा सके। मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि देते हुए, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि उनकी यादें हमेशा हमारे दिलों में बसी रहेंगी।

हम भूलेंगे नहीं। हम माफ नहीं करेंगे, उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के एकजुट रुख का संकल्प लेते हुए कहा। हम जम्मू-कश्मीर की धरती से आतंकवाद को जड़ से मिटाने के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ संकल्प का प्रण लेते हैं।' मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी आतंकवाद से लड़ने का संकल्प लिया और मारे गए पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक साल बीत जाने के बाद भी हम आतंकवाद और हिंसा के खिलाफ एकजुट हैं। हम जम्मू-कश्मीर को तकलीफों और बेगुनाह लोगों की मौतों से मुक्त कराने के अपने इरादे पर दृढ़ हैं। हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने को प्रतिबद्ध हैं कि ऐसा दोबारा कभी न हो। हम उन परिवारों के साथ भी हमेशा एकजुटता से खड़े हैं, जिन्होंने एक साल पहले उस कायरतापूर्ण हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया था। ईश्वर करे कि इस आतंकी हमले के पीड़ितों की आत्मा को शांति मिले।'

पहलगाम में बैसरन जिसे अक्सर 'मिनी-स्विट्जरलैंड' कहा जाता है क्योंकि यह पहाड़ों और घने चीड़ के जंगलों से घिरे हरे-भरे घास के मैदानों के लिए मशहूर है बंद रहा। यह पिकनिक स्पॉट पहलगाम शहर से सात किलोमीटर दूर है। पहाड़ों की तलहटी में ऊँचाई पर स्थित घास के मैदान तक जाने वाला कच्चा रास्ता बंद कर दिया गया है और वहाँ सुरक्षाकर्मी पहरा दे रहे हैं।

मोहम्मद वहीद के लिए उस मनहूस दिन ऊँचाई पर चढ़कर बचे हुए लोगों को बचाने के लिए किए गए बचाव अभियान को अब एक साल बीत चुका है लेकिन वह याद अभी भी ताजा है। उन्हें याद है कि जब वह अपने एक रिश्तेदार के साथ पास के ही एक गाँव में गए हुए थे, तब उन्हें अपने फोन पर एक संदेश मिला था।

टट्टू एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहम्मद वहीद जब वह अपने टट्टू पर सवार होकर शॉर्टकट रास्तों से गुजर रहा था, तो वह भयानक नजारा उसके दिमाग में समा ही नहीं पा रहा था। शुरू में तो मुझे समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या है। इसने पल भर में मेरी दुनिया बदल दी, वहीद ने कहा, जो हमले के बाद सबसे पहले उस घास के मैदान में पहुँचा था। टट्टू एसोसिएशन में में 700 से ज्यादा सदस्य हैं।

उन्होंने कहा, 'हमने कलमा पढ़ा, इस डर से कि शायद हम ज़िंदा वापस न लौट पाएँ। हमारे आस-पास औरतें और बच्चे रो-चिल्ला रहे थे। हमने उन्हें दिलासा देने की कोशिश की, उन्हें बताया कि हम उनकी सुरक्षा के लिए वहाँ हैं, और उन्हें खाली पड़ी दुकानों से पानी पिलाया।'

वहीद ने आगे कहा,'वह उन दृश्यों को बेहद डरावना बताते हैं, जहाँ शव बिखरे पड़े थे उन्हें पहचानना भी मुश्किल था और जो लोग बच गए थे, वे अपने सगे-संबंधियों के शवों के पास 'बेजान' से पड़े थे। मैं उन शवों को देख भी नहीं पा रहा था। मैंने अपने साथियों को मदद के लिए बुलाया।

मारे गए लोगों में हमें महाराष्ट्र का एक आदमी ज़िंदा मिला। मुझे याद है, एक औरत घोड़े की पीठ पर ही बेहोश हो गई थी। हमने उसे पानी पिलाया, लेकिन उसने पहाड़ी से नीचे उतरने से मना कर दिया। उसने कहा कि वे दोनों साथ आए थे, तो वह उसे अकेला छोड़कर कैसे जा सकती है?' एक साल बाद, जब वह अपनी रोजी-रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है, तब भी वे शब्द और दृश्य वहीद की यादों में गहरे तक बस चुके हैं।'

उन्होंने कहा,'अगर बैसरन दोबारा खुल भी जाता है तो भी अब मेरा दिल वहां जाने का नहीं करता। अपनी रोजी-रोटी के लिए मैं अपने टट्टू के साथ किसी और को भेज दूँगा। जावेद अहमद के लिए वह दिन सिंधु नदी के किनारे बने उसके नए-सजे होटल के उद्घाटन का दिन था। जब वह पर्यटकों के पहले समूह का स्वागत करने का इंतजार कर रहा था, तभी गोलियों की आवाज और उसके बाद मची अफरा-तफरी ने उसकी शांति भंग कर दी।

उसने आगे कहा,'मैं आर्थिक नुकसान की भरपाई तो कर सकता था, लेकिन इस घटना ने मुझे गहरे मानसिक आघात में डाल दिया है। तब से उसने पहलगाम जाना ही छोड़ दिया है, क्योंकि वहाँ जाने से उसे वे पुरानी यादें ताजा हो जाती हैं। उस दुखद घटना को भुला पाना बहुत मुश्किल है। वह पर्यटकों का समूह बहुत ज्यादा डरा हुआ था और खौफ के मारे कांप रहा था। वे लोग वहीं से वापस लौट गए और उन्होंने मुझे दोबारा कभी फोन नहीं किया।'

जल संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है : उपायुक्त

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि प्रकाश सिंह ने बढ़ते गर्मी के प्रभाव को देखते हुए शहरी व ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत पेयजलापूर्ति व्यवस्था और पेयजल स्रोतों को सुदृढ़ व दुरुस्त करने के उद्देश्य से सभी प्रखंडो के प्रखंड विकास पदाधिकारी, नगर निगम देवघर क्षेत्र, नगर परिषद मधुपुर क्षेत्र, देवघर व मधुपुर अनुमंडल के कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया है।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए उपायुक्त श्री सिंह ने आमजनों से अपील करते हुए कहा कि जल संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी है। सामूहिक प्रयास से ही जल संकट से बचा जा सकता है। इसके अलावा उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों व कार्यपालक अभियंता को स्पष्ट निर्देश दिया कि गर्मी के दिनों में निर्बाध रूप से पेयजल आपूर्ति कराना सुनिश्चित करें। इसमें कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। साथ ही पेयजल समस्या के निराकरण हेतु हेल्पलाईन नंबर का व्यापक प्रचार प्रसार करें, ताकि आमजन पेयजल से जुड़े समस्याओं की सूचना दे सकें और उसका त्वरित निराकरण किया जा सके। साथ ही पेयजल से जुड़ी शिकायतों के समाधान हेतु बनाए गए कॉल सेंटर में आने वाली समस्याओं का निरंतर समाधान करने का निर्देश नगर निगम देवघर, नगर परिषद मधुपुर, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल देवघर व मधुपर के कार्यपालक अभियंता को दिया। आगे उपायुक्त ने चापाकलों, सोलर हाउसपंप, अन्य जलस्त्रोत की मरम्मत हेतु संबंधित चिन्हित मद के उपयोग का निर्देश अधिकारियों को दिया हैं।

महिला आक्रोश रैली की सफल तैयारी को लेकर भाजपाइयों ने की बैठक

दुमका : आगामी 25 अप्रैल 2026 को रांची में आयोजित होने वाली ह्लमहिला आक्रोश रैलीह्व की सफल तैयारी को लेकर मंगलवार को दुमका परिसदन में भारतीय जनता पार्टी की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल ने की।

बैठक में मुख्य रूप से दुमका जिला प्रभारी संजीव जजवाड़े एवं जरमुंडी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक देवेंद्र कुंवर उपस्थित रहे। इस अवसर पर रैली की तैयारियों, कार्यकताओं की भागीदारी तथा जिले स्तर पर संगठनात्मक रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि दुमका जिला से लगभग 2000 कार्यकर्ता एवं महिला मोर्चा की सदस्याएं रांची में प्रस्तावित महिला आक्रोश रैली में भाग लेंगी। इसके लिए सभी मंडलों, शक्ति केंद्रों एवं बूथ स्तर तक कार्यकताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी संजीव जजवाड़े ने कहा कि यह रैली महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की आवाज को बुलंद करने का एक सशक्त मंच बनेगी। वहीं विधायक श्री देवेंद्र कुंवर ने कहा कि दुमका जिला से ऐतिहासिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा के साथ इस कार्यक्रम को सफल बनाएंगे। जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे रैली की सफलता के लिए पूरी ताकत के साथ जुटें तथा अधिकाधिक संख्या में रांची पहुंचकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाएं। बैठक में जरमुंडी विधायक देवेंद्र कुंवर,संजीव जजवाड़े,रूपेश मंडल मृणाल मिश्रा,अमिता रक्षित,श्रीधर दास,दिनेश सिंह,नीतू झा,सहदेव मरांडी, रघुनाथ रजक,रामजस मांझी, सुभाष यादव,फारूक अनवर,रानी सिंह धर्मेंद्र सिंह बिट्टू,गायत्री जायसवाल,नवल किस्कू,पवन केसरी,योगेंद्र मुर्मू, सोनी हेंब्रम,मनीष कुमार,नवल किशोर मांझी,गणपति पाल,हेमंत साहा,अजय सिंह,मनोज हांसदा, पिंकी घोष शामिल हुई ।

रेमता डैम में दर्दनाक हादसा: युवक की डूबने से मौत

खूंटी : जिले के रेमता डैम में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की डूबने से मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान गांधी नगर (कांके) निवासी विवेक राज के रूप में हुई है। वह मुख्यमंत्री सुरक्षा में तैनात एक कर्मी के पुत्र बताए जा रहे हैं और एक छात्र थे, जिन्होंने हाल ही में आईआईटी की परीक्षा भी दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवेक अपने ममेरे भाई अक्षय राज और दोस्तों के साथ घूमने के लिए रेमता डैम गया था। सभी डैम के किनारे समय बिता रहे थे, इसी दौरान विवेक ने नहाने की इच्छा जताई। दोस्तों द्वारा मना किए जाने के बावजूद वह पानी में उतर गया। शुरूआत में वह उथले पानी में था, लेकिन धीरे-धीरे गहरे हिस्से की ओर चला गया और संतुलन बिगड़ने के कारण डूबने लगा। विवेक को डूबता देख उसके फुफेरे भाई अक्षय राज ने बिना देर किए उसे बचाने के लिए पानी में छलांग लगा दी, लेकिन वह खुद भी गहराई में फंसकर डूबने लगा। स्थिति गंभीर होती देख दोस्तों ने किसी तरह अक्षय को बाहर निकाल लिया, लेकिन तब तक विवेक गहरे पानी में समा चुका था। घटना की सूचना तुरंत स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर काफी देर तक खोजबीन की, लेकिन सफलता नहीं मिली। स्थानीय गोताखोरों को भी बुलाया गया, जिन्होंने काफी प्रयास किया, परंतु वे भी विवेक का पता नहीं लगा सके। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए एनडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने देर शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया और आखिरकार काफी मशक्कत के बाद युवक का शव बरामद किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूंटी भेजा गया। घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन के वरीय अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

उपायुक्त ने की राजस्व मामलों की समीक्षा लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

संवाददाता

खूंटी : जिला उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में मंगलवार को राजस्व संग्रहण, राजस्व विभाग एवं भू-अर्जन से जुड़े मामलों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर समाहर्ता परमेश्वर मुण्डा, अनुमंडल पदाधिकारी दिपेश कुमारी, नोडल पदाधिकारी जन शिकायत कोषांग समेत सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान उपायुक्त ने राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न मामलों की गहन समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिया कि अंचल कार्यालयों में कोई भी मामला निर्धारित समय-सीमा से अधिक लंबित न रहे। उन्होंने अधिकारियों को ईमानदारी एवं जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए प्राथमिकता के आधार पर मामलों का निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही, किसी भी आवेदन को अस्वीकृत करने की स्थिति में स्पष्ट कारण दर्ज करने के निर्देश दिए। राजस्व संग्रहण के तहत भू-लगान एवं सेस से संबंधित प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से अपने दायित्वों का निर्वहन करने और अनावश्यक रूप से मामलों को लंबित नहीं रखने का निर्देश दिया। इसके अलावा सक्सेशन म्यूटेशन, परिशोधन ग्रीवांस, सर्टिफिकेट केस, अवैध जमाबंदी सहित अन्य मामलों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने आमजनों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विशेष कैंप आयोजित करने तथा प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का निष्पादन करने के निर्देश दिए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। बैठक में अंचल कर्मियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करने पर भी जोर दिया गया। वहीं भूमि अधिग्रहण एवं मुआवजा भुगतान से जुड़े मामलों को लंबित न रखने के निर्देश दिए गए। टाना भगत से संबंधित अंचलवार अद्यतन विवरणी की भी समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए राजस्व से जुड़े कार्यों में तेजी लाने, पारदर्शिता बनाए रखने तथा समय पर कार्यों के निष्पादन को सुनिश्चित करने पर बल दिया।

आईटीडीए व जिला कल्याण योजनाओं की समीक्षा, समयबद्ध क्रियान्वयन के निर्देश

संवाददाता

खूंटी : उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में आईटीडीए एवं जिला कल्याण कार्यालय द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति पर बिंदुवार चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान और साइकिल वितरण की स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी पात्र छात्रों को विभागीय प्रावधानों के अनुरूप समय पर लाभ उपलब्ध कराया जाए। वहीं, वित्तीय वर्ष 2022-23 में संविधान की धारा 275 (1) के तहत स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। लंबित योजनाओं पर नाराजगी जताते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई कर कार्यों को पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया।

बैठक में अल्पसंख्यक कब्रिस्तान घेराबंदी, सरना-मसना हड़गड़ी घेराबंदी, धुमकुड़िया भवन निर्माण, अल्पसंख्यक कियोस्क निर्माण योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान एवं डीए-जेगुआ अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

उपायुक्त ने जिले में संचालित आवासीय विद्यालयों की स्थिति पर भी चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमित निरीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, ताकि आवश्यकताओं का आकलन कर समय पर सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। इसके अलावा डीबीटी भुगतान में पारदर्शिता बनाए रखने, वित्तीय अनुशासन का पालन करने तथा विपत्रों की निकासी से पूर्व सभी आवश्यक सावधानियां बरतने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एनआरईपी, सहायक अभियंता, जूनियर इंजीनियर समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट ने गरीब कन्या का विवाह कराया

खलारी : सत्य सनातन सेवा ट्रस्ट के एन के एरिया व पिपरवार के तत्वावधान में मगलवार को राय कोलियरी शिव मंदिर प्रांगण में एक जरुरत मंद परिवार की कन्या सोनिया कुमारी पिताराजा भुइया पता, बचरा विशुझापा एवं वर सूरज भुइया पिता गुलाब भुइया पता नारायण धोड़ा खलारी का विवाह पूर्ण वैदिक रीति-रिवाजों साथ सम्पन्न कराया गया। ट्रस्ट के सदस्यों एवं स्थानीय समाजसेवियों के सहयोग से विवाह का सम्पूर्ण प्रबंध किया गया। वर-वधू को गृहस्थ जीवन की नई शुरूआत के लिए सभी ने सुभकामनाये दिया उज्जवल भविष्य का कामना किया । इस पुनीत कार्य में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उपस्थित होकर नवदंपति को आशीर्वाद दिया। ट्रस्ट के लोगो ने बताया कि संस्था का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग की सहायता करना और सनातन परंपराओं को जीवित रखना है। भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे और ट्रस्ट के इस सराहनीय प्रयास की प्रशंसा की शंकर सिंह चेरो, राजकुमार बाबू, मनोज कुमार, संजय शुक्ला, बिनोद विश्वकर्मा, दीपक वर्मा,मुकेश राणा, गुड्डू सिंह,छोटन हिन्दू, संजय प्रसाद, गुड्डू शर्मा, रोशन गुप्ता, अर्जुन सिंह, अमित राज पाण्डेय,सुरज सिंह, शक्ति कुमार कालेज, बजरंगी , सुरेश महतो,रतन महतो बुटन महतो, मुकेश कुमार उर्फ गुड्डू उपस्थित थे।

तेज रफ्तार बाइक ने महिला को मारी जोरदार टक्कर, दोनों घायल

बुंडू : थाना क्षेत्र में रांची-टाटा रोड (एनएच-33) स्थित होंडा शोरूम के पास एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बुधवार को एक तेज रफ्तार बाइक ने सड़क पार कर रही महिला को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक की रफ्तार इतनी तेज थी कि महिला को टक्कर मारने के बाद बाइक सवार नियंत्रण खो बैठा और बाइक समेत गड्ढे में जा गिरा। हादसे में बाइक चला रहा युवक भी घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बुंडू पुलिस मौके पर पहुंचे। तुरंत एंबुलेंस बुलाकर घायल महिला और बाइक सवार युवक को बुंडू अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गौरतलब है कि इसी स्थान पर दो दिन पहले भी एक तेज रफ्तार बाइक ने एक व्यक्ति को टक्कर मार दी थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। लगातार हो रहे हादसों से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनएच-33 पर स्ट्रीट लाइट बंद रहने के कारण सड़क पर अंधेरा रहता है, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। लोगों ने प्रशासन से जल्द स्ट्रीट लाइट ठीक कराने और तेज रफ्तार पर नियंत्रण लगाने की मांग की है।

राज्य का पहला अस्पताल बना चतरा सदर अस्पताल, महिला ने शव का किया पोस्टमार्टम

संवाददाता

चतरा : सदर अस्पताल चतरा में मंगलवार की सुबह एक महिला ने ऐसी दिलेरी दिखाई जो अच्छे अच्छे हिम्मत वाले पुरुषों के लिए भी बस की बात नहीं है। इस घटना के बाद संभवतः चतरा का सदर अस्पताल राज्य का पहला अस्पताल बन गया जहां एक महिला ने पुरुष के शव का पोस्टमार्टम किया। शव का पोस्टमार्टम करने वाली महिला ममता देवी शहर के बिंड मोहल्ला निवासी दीपू सिंह की पत्नी है। ममता ने अपना पहला पोस्टमार्टम दुर्घटना में मृत राजेश शर्मा के शव का किया। इस पोस्टमार्टम के एक घंटे के बाद लावालौंग से एक और शव पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल पहुंचा। महिला ने उसका भी पोस्टमार्टम किया। सदर अस्पताल का पोस्टमार्टम कर्मी ने पोस्टमार्टम करने से खड़ा किया हांथ तो ममता आई सामने।

यहां बताते चले कि सदर अस्पताल के नियमित पोस्टमार्टम कर्मी सुखदेव राम के विरुद्ध एक दिन पहले ही शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए 5000 रुपए लेने का आरोप लगा है। अस्पताल प्रबंधन ने इस आरोप के आधार पर उसे काम करने से मना कर दिया था। इसके दूसरे ही दिन एक युवक राजेश शर्मा की मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल लाया गया। सुखदेव राम चतरा जिले का एकलौता पोस्टमार्टम कर्मी था। उसे पता था कि जब तक वह पोस्टमार्टम नहीं करेगा तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं होगा। अस्पताल प्रबंधन के लोगों ने सुखदेव राम को शव का पोस्टमार्टम करने के लिए खुब पैरवी किया लेकिन वह पोस्टमार्टम करने से साफ इंकार कर दिया। इसके बाद अस्पताल प्रबंधन को ममता देवी की याद आई। दरअसल ममता देवी ने कुछ दिन पहले ही सिविल सर्जन को आवेदन दिया था। जिसमें उन्होंने बताया था कि वह पिछले 15 वर्षों से विभिन्न प्राइवेट अस्पतालों में नर्स का काम कर रही है। उसे काम की सख्त जरूरत है। वह पोस्टमार्टम भी कर सकती है। मुसिबत के समय में सिविल सर्जन ने ममता देवी को फोन कर स्थिति से अवगत कराया। ममता देवी ना सिर्फ पोस्टमार्टम करने के लिए तैयार हो गई बल्कि 10 मिनट के अंदर पोस्टमार्टम हाउस के पास पंहुच गई। वह पोस्टमार्टम हाउस में अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार व डॉ अजहर के साथ मिलकर शव का पोस्टमार्टम किया।

महिला को आउटसोर्सिंग से किया जा रहा बहाल : सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ पंकज कुमार ने महिला की तारीफ करते हुए कहा कि आज महिलाएं पुरुष से किसी भी मामले में कम नहीं है। ममता देवी ने इसे साबित भी कर दिया है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम हाउस में शव पर छुड़ा, कैची चलाते समय अच्छे अच्छों का पैर कांपने लगते है। ममता देवी ने पहली बार में ही काफी कुशलता पूर्वक चिकित्सकों के द्वारा बताए गए सभी कार्यों को किया। उन्होंने कहा कि एक से दो दिनों के अंदर ममता देवी को पोस्टमार्टम कर्मी के रूप में बहाल कर लिया जाएगा।

बड़ा सड़क हादसा होते-होते टला

संवाददाता

खूंटी : जिले के तोरपा थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। जानकारी के अनुसार खूंटीझसिमडेगा स्टेट हाईवे-3 पर दियांकेल गांव के पास सुबह करीब 4 बजे एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे खेत में पलट गया। बताया जा रहा है कि ट्रेलर दुगार्पुर (पश्चिम बंगाल) से लोहे का सामान लेकर भिलाई (छत्तीसगढ़) जा रहा था। इसी दौरान सामने से तेज गति से आ रहे एक ट्रक को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन मोड़ा, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ट्रेलर सीधे पुलिया के नीचे जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि राहत की बात यह रही कि ट्रेलर चालक प्रिंस कुमार इस दुर्घटना में सुरक्षित बच गए। उन्हें केवल मामूली चोटें आई हैं।

स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद तोरपा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। दुर्घटना में ट्रेलर को काफी नुकसान हुआ है।

हंटरगंज में भीषण सड़क हादसा

एनएच-22 पर दो बाइकों की टक्कर दादी पोते समेत तीन घायल, गंभीर

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के वशिष्ठ नगर जोरी थाना क्षेत्र के जिओ पेट्रोल पंप के सामने (एनएच 22) के पास मंगलवार को दो मोटरसाइकिल सवारों की टक्कर में दादी पोता समेत तीन घायल हो गए। घायलों की पहचान हंटरगंज प्रखंड के गोसाईडीह गांव के मतीया देवी तथा आनंद कुमार और अकौना गांव के मुकेश यादव के रूप में हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों सड़क पर दूर जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों बाइक तेज रफ्तार में थीं और अचानक आमने-सामने आ जाने से यह हादसा हुआ। टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और घायलों को संभालते हुए तत्काल अस्पताल भिजवाया। घटना के बाद कुछ देर तक सड़क पर आवागमन भी बाधित रहा, जिसे बाद में स्थानीय लोगों और वशिष्ठ नगर पुलिस की मदद से सामान्य किया गया। चिकित्सकों के अनुसार तीनों की हालत चिंताजनक बनी हुई है और आवश्यकता पड़ने पर बेहतर उपचार के लिए उच्च केंद्र रेफर किया जा सकता है।

पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक तौर पर तेज रफ्तार को हादसे की प्रमुख वजह माना जा रहा है। वशिष्ठ नगर थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि मोटरसाइकिल संख्या जेएच 13 डी 0130 और मोटरसाइकिल संख्या जेएच 13 के 5829 के बीच टक्कर की घटना हुई है। उन्होंने बताया कि दादी पोता गोसाईडीह की ओर से आ रहे थे। वहीं अकौना निवासी मुकेश यादव वशिष्ठ नगर जोरी से हंटरगंज की ओर जा रहा था। उन्होंने बताया कि युवक शराब के नशे में धुत था।नशे के कारण ही उसने दादी पोते के मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी।

इटखोरी-मयूरहंड के लिए गौरव का क्षण

बहू रानी बॉबी कुमारी बनीं महिला पर्यवेक्षिका, क्षेत्र में खुशी की लहर

संवाददाता

चतरा : जिले के इटखोरी प्रखंड क्षेत्र के मंदाइन गांव की बहू बॉबी कुमारी ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन के बल पर बाल विकास परियोजना में महिला पर्यवेक्षिका (सुपरवाइजर) पद पर चयनित होकर पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है। उनके इस उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ समाज में भी हर्ष और गर्व का माहौल है। रानी बॉबी कुमारी, स्व. ग्रीन सिंह के परिवार की बहू एवं विनोद सिंह उर्फ बिगुल सिंह की धर्मपत्नी हैं। इससे पहले वे पारा शिक्षिका के रूप में कार्यरत रह चुकी हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए निरंतर प्रयास किया और आज सफलता की नई मिसाल कायम की है।

बताया जाता है कि वे मयूरहंड प्रखंड अंतर्गत धनगांवा निवासी राजेंद्र सिंह की पुत्री हैं। उनकी इस सफलता के बाद ससुराल और मायके दोनों जगह बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद परिवार में उत्सव जैसा माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी।

अंचलों में जनता दरबार का आयोजन

600 से अधिक मामलों का हुआ निपटारा

संवाददाता

रांची : जिले में आम जनता की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री के नेतृत्व में आयोजित जनता दरबार प्रभावी पहल के रूप में उभर रहा है। प्रत्येक सोमवार को समाहरणालय स्थित कार्यालय में स्वयं उपायुक्त द्वारा जनता दरबार लगाया जाता है, जबकि उनके निर्देश पर हर मंगलवार को जिले के सभी अंचलों में अंचल स्तरीय जनता दरबार आयोजित किए जा रहे हैं।

इस पहल के तहत प्रशासन सीधे आम लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी समस्याएं रखने और उनका त्वरित समाधान पाने का अवसर मिल रहा है।

जनता दरबार में भूमि विवाद, दाखिल-खारिज, राजस्व से जुड़े मामले, सरकारी योजनाओं का लाभ, पेंशन, आवास योजना, जल-बिजली-सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं से संबंधित शिकायतें प्रमुख रूप से सामने आ रही हैं।

उपायुक्त श्री भजन्त्री स्वयं प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता से सुनते हैं और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हैं। कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि शिकायतों के निपटारे में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लंबित मामलों पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को आयोजित अंचल स्तरीय जनता दरबार में ईटकी, राहे, सोनाहातु, चान्हो, सिल्ली, मांडर एवं रातु अंचल में कुल 602 से अधिक आवेदनों का निष्पादन किया गया। इनमें आवासीय, जाति एवं आय प्रमाण पत्र, पंजी-क्क्क सुधार, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, सर्वजन पेंशन, सीएनटी एक्ट की धारा 46 के अंतर्गत अनुमति सहित अन्य राजस्व मामलों का निपटारा शामिल है।

जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि प्रत्येक नागरिक को समय पर न्याय और सुविधाएं मिलें तथा प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत हो। जनता दरबार की यह पहल राँची जिले में पारदर्शी, संवेदनशील और जवाबदेह प्रशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

टर्किश एयरलाइंस ओपन में बड़े गोल्फ सितारे उतरेंगे मैदान में

रांचीः टर्किश एयरलाइंस ओपन 2026 में मेजर चैंपियन फ्रांसेस्को मोलिनारी और रोलेक्स सीरीज विजेता पॉल वारिंग सहित कई दिग्गज खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह टूर्नामेंट 30 अप्रैल से 3 मई तक तुर्किये के नेशनल गोल्फ क्लब, रेग्नम होटल्स परिसर में आयोजित होगा। यह प्रतियोगिता डीपी वर्ल्ड टूर के एशियन स्विंग का पांचवां और अंतिम टूर्नामेंट होगी। मोलिनारी 2018 ओपन चैंपियनशिप जीतने वाले पहले इतालवी खिलाड़ी रहे हैं, जबकि पॉल वारिंग ने 2024 अबू धाबी एचएसबीसी चैंपियनशिप अपने नाम की थी। टूर्नामेंट में एंडी सुलिवन और एलेक्स फिट्जपैट्रिक भी हिस्सा लेंगे। टर्किश एयरलाइंस वर्ष 2013 से इस प्रतियोगिता की टाइटल प्रायोजक है और लगातार गोल्फ को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

बीआईटी मेसरा के बूटकैंप में प्रतिभागियों ने पेश किए स्टार्टअप विचार

रांची : बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी मेसरा) में आयोजित पांच दिनी इनोवेशन, डिजाइन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (आईडीई) बूटकैंप के दूसरे दिन मंगलवार को स्टार्टअप सलाहकार ऋषभ गिल के नेतृत्व में ग्राहक खोज और बाजार प्रासंगिकता पर सत्र हुआ। उन्होंने एआई टूल का उपयोग कर उद्योग की व्यवहार्यता का आकलन करने और स्टार्टअप विचारों की प्रासंगिकता, मांग और बड़ी समस्याओं को हल करने की उनकी क्षमता के आधार पर मूल्यांकन करने में प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने ग्राहकों की मुख्य समस्याओं की पहचान करने के लिए साकिची टोयोडा द्वारा विकसित द 5 व्हाइज रूट कॉज एनालिसिस तकनीक पेश की। उन्होंने एपल और गूगल जैसे उदाहरणों का उपयोग कर सटीक बाजार विभाजन के महत्व पर भी जोर दिया। साथ ही, जॉब्स टू बी डन, फ्रेमवर्क का उपयोग करके ग्राहकों की जरूरतों को कार्यात्मक, भावनात्मक और सामाजिक पहलुओं में विभाजित किया। इसके अलावा उन्होंने विद्यार्थियों को यथार्थवादी ग्राहक नाना सिखाया।

मायबियस ग्रुप ने डिजाइन और क्रिएटिविटी के लिए कई राष्ट्रीय पुरस्कार जीते

रांची : मायबियस ग्रुप ने डिजाइन, क्रिएटिविटी, टेक्नोलॉजी और स्टोरीटेलिंग में उत्कृष्टता को सम्मानित करने वाले एक राष्ट्रीय मंच पर 1 गोल्ड और 3 ब्रॉन्ज पुरस्कार हासिल किए हैं–यह वही दृष्टिकोण है जिसे समूह पिछले दो दशकों से लगातार अपनाता आ रहा है।विशेष रूप से, एजेंसी पूर्वी भारत से एकमात्र प्रतिभागी के रूप में उभरी, जिसे प्रमुख मल्टीनेशनल नेटवर्क एजेंसियों और शीर्ष ब्रांड्स के साथ सम्मानित किया गया।इन पुरस्कारों ने डिजाइन, क्राफ्ट और इनोवेशन जैसे विभिन्न प्लेटफॉर्म्स पर उत्कृष्ट रचनात्मकता को सराहा। देशभर से ब्रांड्स और एजेंसियों ने अपनी प्रविष्टियाँ भेजीं, जो छह प्रमुख श्रेणियों–प्रोडक्ट डिजाइन, डिजाइन एक्सीलेंस, ब्रांड एवं कम्युनिकेशन, एक्सपीरियंस एवं इंटरैक्शन एक्सीलेंस, टेक्नोलॉजी एवं इनोवेशन, और हॉल ऑफ फेम–में प्रतिस्पर्धा कर रही थीं। प्रत्येक श्रेणी में कई उप-श्रेणियाँ शामिल थीं।इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, मायबियस ग्रुप के संस्थापक एवं सीईओ, अखिल बी पॉल ने कहा, ह्यये पुरस्कार पिछले दो दशकों से हमारे निरंतर कार्य और टेक्नोलॉजी को कम्युनिकेशन के साथ एकीकृत करने के हमारे प्रयासों को दर्शाते हैं। बड़े नेटवर्क एजेंसियों और राष्ट्रीय ब्रांड्स के साथ पहचाना जाना उत्साहजनक है। यह मान्यता हमें सार्थक और स्केलेबल डिजाइन-आधारित समाधानों के निर्माण के प्रति और अधिक प्रतिबद्ध बनाती है।प्रतिष्ठित इकोनॉमिक टाइम्स अवॉर्ड फॉर डिजाइन एंड क्रिएटिविटी में मायबियस ग्रुप को कई श्रेणियों में सम्मानित किया गया। एजेंसी ने ह्य75 ब्रांड्स बुकह्व के लिए ह्यमोस्ट क्रिएटिव रिप्रेजेंटेशनल इलस्ट्रेशनह्व श्रेणी में गोल्ड अवॉर्ड जीता।

पाम के बच्चों ने पेड़ लगाओ पृथ्वी को बचाओ कर दिया संदेश

संवाददाता

रांची :बारियातू स्थित पाम इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली निकाली। इस जागरूकता रैली में कक्षा सातवीं से लेकर दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। रैली विद्यालय परिसर से होते हुए बरियातू पहाड़ी मैदान, बारियातू हाउसिंग और सत्तार कॉलोनी होते हुए विद्यालय में वापस हुई। रैली के दौरान बच्चों ने पेड़ लगाओ पृथ्वी बचाओ, सांसें हो रही है कम आओ पेड़ लगाए हम, पर्यावरण का रखें ध्यान तभी बनेगा देश महान जैसे नारों के साथ लोगों को पृथ्वी पर पेड़ों के महत्व के बारे में संदेश दिया। कक्षा 1 से लेकर छठी कक्षा के छात्र-छात्राओं को पौधारोपण और पौधारोपण से होने वाले लाभ के बारे मैं जानकारी दी गई। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती लुबना फातिमा बच्चों के सराहनीय कार्य की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि बच्चों को जब पेड़ पौधों के महत्व की जानकारी होती है तो बच्चे अपने घर में भी इसकी चर्चा करते हैं जिससे समाज में जागरूकता लाने में सहयोग मिलता है। हमारा विद्यालय समाज और देश से जुड़े जागरूकता अभियान में सक्रिय तौर पर भाग लेता रहा है और भविष्य में भी लेता रहेगा। हमारे विद्यालय का उद्देश्य है बच्चों के अंदर नेतृत्व क्षमता विकसित करना ताकि बच्चे हर क्षेत्र में सफल हो सके और एक स्वच्छ समाज की स्थापना में सहयोग कर सके। इस जागरूकता रैली के सफल आयोजन में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं ने सक्रिय तौर पर भाग लिया इसकेलिए विद्यालय प्रशासन सभी को धन्यवाद देता है।

आर्मी पब्लिक स्कूल में पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

रांची : विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर आर्मी पब्लिक स्कूल, रांची में एक भव्य पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को मंच प्रदान करना था।

प्रतियोगिता में विद्यालय के विभिन्न कक्षाओं के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और ह्यधरती बचाओह्व, ह्यहरियाली लाओह्व तथा ह्यस्वच्छ पर्यावरणह्व जैसे विषयों पर आकर्षक चित्र प्रस्तुत किए। बच्चों की कलाकृतियों में प्रकृति के प्रति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

विद्यालय प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में न केवल कला के प्रति रुचि विकसित करती हैं, बल्कि उन्हें प्रकृति के संरक्षण के लिए प्रेरित भी

करती हैं।

पासपोर्ट सेवाओं की जानकारी देने को सीयूजे में लगा विशेष कैंप

रांची : केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड (सीयूजे) में पासपोर्ट सेवाओं पर दो दिनी शिविर मंगलवार से शुरू हुआ। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मियों को परिसर में ही पोसपोर्ट संबंधी सुविधाएं देना शिविर का उद्देश्य है। कैंप का उद्घाटन कुलपति प्रो सारंग मेढ़ेकर ने किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप से समय व संसाधन की बचत होती है। कार्यक्रम में सबसे पहले कुलपति के पासपोर्ट आवेदन की प्रक्रिया क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के अधिकारियों ने पूरी की। इसके बाद शिक्षकों, कर्मचारियों और अन्य आवेदकों के आवेदन क्रमवार स्वीकार किए गए। पहले दिन सीयूजे की ओर से क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय को करीब 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए।

जिनमें विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, शिक्षकों के साथ-साथ कई विद्यार्थियों के आवेदन भी शामिल थे। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, सभी आवेदकों को क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय की ओर से एसएमएस के माध्यम से आवंटित समय के अनुसार ही उपस्थित होना अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही, सभी आवश्यक मूल दस्तावेज, जैसे पहचान पत्र, पते का प्रमाण और अन्य जरूरी कागजात साथ लाना भी अनिवार्य है, ताकि आवेदन प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। शिविर बुधवार को भी रहेगा।

अंतिम यात्रा में शामिल युवक को स्कॉर्पियो ने मारी टक्कर, गंभीर

रांची : रांची के किशोरगंज चौक के पास उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक अंतिम यात्रा में शामिल लोगों को तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने टक्कर मार दी।

हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जिस गाड़ी ने टक्कर मारी है उस स्कॉर्पियो पर झारखंड सरकार लिखा हुआ था।

घटना के बाद मौके पर मौजूद उग्र लोगों ने स्कॉर्पियो के दोनों शीशे तोड़ दिए और वाहन में तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने घायल को अस्पताल भिजवाते हुए वाहन को कब्जे में ले लिया है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वाहन कौन चला रहा था और हादसा कैसे हुआ।

सीसीएल व अर्पिता महिला मंडल ने पेय जल केंद्र का किया उद्घाटन

सैकड़ों लोगों के बीच पेय पदार्थों का किया वितरण

संवाददाता

रांची : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) एवं अर्पिता महिला मंडल ने शुद्ध शीतल पेय जल केंद्र का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति सिंह, उप-अध्यक्षा इंदु मिश्रा, रीता तिवारी एवं मंडल की अन्य सदस्य उपस्थित रहीं। आज से इस पेजयल में सभी लोगों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की सुविधा उपलब्ध रहेगी। भीषण गर्मी के इस दौर में ठंडा पेयजल लोगों के लिए एक बड़ी राहत और सुकून भरी खबर है।

कार्यक्रम के दौरान मंडल की अध्यक्षा सहित सभी सदस्यों ने महिला कर्मियों, सुरक्षा में तैनात जवानों, ट्रैफिक पुलिस, स्कूली बच्चों, सफाईकर्मियों एवं अन्य हितधारकों तथा सैकड़ों लोगों के बीच ठंडा पेयजल, मिठाई, छाछ एवं शिकंजी का वितरण किया।

उद्घाटन के उपरांत अर्पिता महिला मंडल की अध्यक्ष प्रीति सिंह ने कहा कि ह्यभीषण गर्मी के इस मौसम में शुद्ध एवं शीतल पेयजल की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। अर्पिता महिला मंडल सदैव समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है और आगे भी इस प्रकार की पहल जारी रहेगी। कार्यक्रम में महाप्रबंधक, विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में हुआ सुंदरकांड का पाठ, भक्ति में डूबे श्रद्धालु

संवाददाता

रांची : हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में 200वां श्री सुंदरकांड एवं श्री हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। ह्यराम सिया रामह्व के भजन और बजरंग बली के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल में गूंज उठा।

मंदिर के आचार्य के निर्देशन में अखंड ज्योति एवं पूजन संपन्न कराया गया। सौरव शैरी एवं उनके परिवार ने बालाजी महाराज के समक्ष अखंड ज्योति प्रज्ज्वलित कर केसरिया पेड़ा, गुड़, चना एवं फल का भोग अर्पित किया। वहीं गोपाल कुमार ने श्रीरामचरितमानस की पूजा कर पाठ वाचकों का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पाठ वाचक मनीष सारस्वत और ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक-ढपली की मधुर धुन पर श्री गणेश वंदना के साथ श्री हनुमान चालीसा का पाठ प्रारंभ किया। इसके पश्चात संगीतमय सुंदरकांड

पाठ में उपस्थित श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया और भक्ति में लीन हो गए। बीच-बीच में भजनों का गायन भी हुआ। अंत में महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न श्रद्धालुओं ने प्रसाद सेवा में योगदान दिया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद, पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेड़ा, मुकेश मित्तल ने गिरिगोला तथा राजेश जायसवाल ने फल प्रसाद अर्पित किया।

कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, अशोक लड़िया, महामंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज खेतान सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसी दिन वैशाख शुक्ल चतुर्थी के अवसर पर खाटूनरेश का केसर-चंदन तिलक श्रृंगार भी किया गया। अक्षय तृतीया के बाद बाबा श्याम के इस विशेष श्रृंगार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

मंडल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने बताया कि आगामी शनिवार को मंदिर में 197वां श्री श्याम भंडारा एक श्रद्धालु परिवार के सहयोग से आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों के शामिल होने की संभावना है।

राँची समाहरणालय, राँची
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
जिला बाल संरक्षण इकाई

गुमशुदा बालक की सूचना
(बाल कल्याण समिति, रांची के आदेशानुसार)

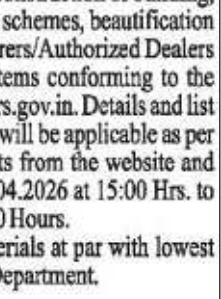

. नाम– अजय राज (काल्पनिक नाम)
. लिंग– बालक
. पिता का नाम– अज्ञात
. माता का नाम– अज्ञात
. पता– अज्ञात
. उम्र – 05 माह (लगभग)
. रंग – गोरा

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बाल कल्याण समिति, राँची के आदेशानुसार एक (01) बालक अजय राज (काल्पनिक नाम) उम्र–05 माह (लगभग) को करूणा एन०एम०ओ०, राँची में आवासित किया गया है। जिसके जैविक एवं विधिक संरक्षक का पता लगाने हेतु राज्य स्तरीय एवं स्थानीय अखबार में विज्ञापन प्रकाशित की गयी है। उक्त बालक के जैविक एवं विधिक संरक्षक का विज्ञापन प्रकाशन के 60 दिनों (दो माह) तक कोई दावा प्रस्तुत नहीं होने पर दत्तक ग्रहण मार्गदर्शिका 2017 के नियम, 6 के उपनियम, 13 के अन्तर्गत बालक को दत्तक ग्रहण हेतु बाल कल्याण समिति, राँची द्वारा कानूनी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

दावा प्रस्तुत करने का पता एवं संपर्क नम्बर–
1. बाल कल्याण समिति, राँची
राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,कमरा संख्या–110
2. जिला बाल संरक्षण इकाई, राँची।
राँची समाहरणालय, राँची, भवन–ब्लॉक बी,कमरा संख्या–111
सम्पर्क सूत्र–06513505516

जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, राँची।
सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, राँची।

PR 378013 Women, Child Development & Social Security(26-27).D

Urban Development & Housing Department
[Engineering Cell]

Ref : 168 Date : 20.04.2026

Very Short e-Quotation No. – 04/2026

Rates through e-Quotation is invited for the items/materials related to **Furniture and Miscellaneous Items** to be used in Estimates of various urban projects viz. construction of building, transportation infrastructures, water supply projects, sewerage and drainage schemes, beautification of public places, waste management schemes etc. from Reputed Manufacturers/Authorized Dealers having valid GSTIN of materials/works/supply. The rates of respective items conforming to the specifications shall be submitted online in the website http://jharkhandtenders.gov.in. Details and list of materials are available on the above e-tender portal. Terms & Conditions will be applicable as per uploaded on the website and the quotationer may download the documents from the website and quote their firm item rate excluding GST for the Materials online from 23.04.2026 at 15:00 Hrs. to 03.05.2026 at 16:00 Hrs. The quotation will be opened on 04.05.2026 at 11:00 Hours.

The quotation is invited to ascertain and assess the Rate of Materials at par with lowest market rate for framing of Estimates under Urban Development & Housing Department.

Address for Communication:
Engineering Cell, 2nd Floor,
205, Canteen Building,
Project Building, Dhurwa,
Ranchi, Jharkhand- 834001
Email : uddtechnicalcell@gmail.com
Contact : 7717721206

Sd/-
Executive Engineer
Engineering Cell, UD&HD

PR 378028 Urban Development and Housing(26-27).D

e-Procurement Cell
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
BUILDING CONSTRUCTION DEPARTMENT
BUILDING DIVISION NO. – 1, RANCHI
(Behind State Guest House Morhabadi)
Dindayal Nagar Booty Road Ranchi-834008

Very Short-Term e-Procurement Notice

Sl. No.	Tender Reference No.	Work Name	Amount (Rs.)	Completion Time
1	BCD/Div.No.-1, Ranchi/01/2026-27	Upgradation and Renovation of Residential Office in Chief Secretary Residence at Dindayal Nagar, Booty, Ranchi	9967300	One Month
2	Start Date of Submission of Bids		28-04-2026 at 11.00 AM	
3	Last Date/Time of Submission of Bids		06-05-2026 at 11.00 AM	
4	Date/Time of Opening of Bid		07-05-2026 at 11.00 AM	
5	Helpline Number of e-procurement Cell		8527519262	
6	e-mail ID		eebcddiv1ranchi@gmail.com	
	Note: - Cost of bidding document (Non-Refundable) & Bid Security Shall be payable on online through http://Jharkhandtenders.gov.in Any Change can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in Any Other information can be on Website http://Jharkhandtenders.gov.in			

Executive Engineer
Building Construction Department
Building Division No. 1, Ranchi

PR 378050 (Building) 26-27 (D)

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

कचरा प्रबंधन और भारत के प्रयास

विश्व की पर्यावरणीय व्यवस्था में विभिन्न प्रकार के कचरे के कारण बड़ी समस्याएं पैदा होती जा रही हैं। न केवल मनुष्य समाज बल्कि समस्त जीव-जगत और वनस्पतियां भी कचरा जनित प्रदूषण का दंश झेलने को अभीशप्त हैं। हवा, पानी और जमीन सब इस प्रदूषण की चपेट में है। इससे वनस्पति और सारा जीव-जगत बीमारियों और जीवन संकट से गुजर रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। भारत में विश्व की 18 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है और वैश्विक नागरिक अपशिष्ट में भारत की हिस्सेदारी 12 फीसद है। भारत प्रतिवर्ष 620 लाख टन कचरा पैदा करता है। इसमें से केवल 430 लाख टन ही एकत्रित होता है और 120 लाख टन ही उपचारित होता है। 310 लाख टन लैंड फिल में डाल दिया जाता है। शेष यहां-वहां पड़ा रहता है और जंगलों, ढलानों, खेतों, जल संसाधनों को प्रदूषित करता रहता है। उसमें से कुछ खुले में जलाया जाता है। यहविषैली गैसों को स्थानीय स्तर पर फैला कर गंभीर बीमारियों का कारण बनता है।

हालांकि सरकार इसके लिए समय-समय पर नियम बनाती है। इनके खराब क्रियान्वयन के चलते स्थिति में कोई सुधार आता दिखाई नहीं देता है। गरीब बस्तियों के नजदीक डंपिंग, प्रबंधन और लापरवाही से संबंधी डेटा के अभाव के चलते नीति निर्माण और क्रियान्वयन में बाधा होती है। उच्चतम न्यायालय ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए निर्देश जारी किए कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 सख्ती से लागू किए जाएं और लापरवाही करने वालों को दंडित करने के भी प्रावधान किए गए। मुख्य निर्देश निम्न हैं- ठोस कचरा चार भागों में अलग करके एकत्र किया जाए। 1. गीला कचरा, जिसमें रसोई अपशिष्ट, भोजन,फल,सब्जियां आदि शामिल हैं। 2. सूखा कचरा, जिसमें प्लास्टिक,कागज, धातु, कांच शामिल हैं। 3. सैनिटरी, नैपकिन, डायपर आदि के अलग अलग निपटारे की व्यवस्था करनी होगी। 4. विशेष, श्रेणी में बल्ब, बैटरी, दवाइयां आदि के लिए विशेष अधिकृत इकाइयों को ही संशोधित करने के लिए देना होगा। गीले कचरे से मीथेन बना कर ईंधन के लिए प्रयोग करना। खास कर 100 किलो दैनिक सूखा अपशिष्ट, 40,000 लीटर दैनिक पानी उपयोग करने वाली और 20,000 वर्ग मीटर में फैली इकाइयां थोक अपशिष्ट उत्पादक घोषित की गई हैं, जिन्हें गीला कचरा अपने परिसर में ही प्रसंस्कृत करना पड़ेगा।

सूखा कचरा रिकवरी फैसिलिटी को पुनः चक्रीकरण के लिए देना होगा। सूखे कचरे में से जिसका पुनः चक्रीकरण संभव नहीं होगा उसके पेलेट्स बना कर सीमेंट प्लांट और उर्जा उत्पादक इकाइयों को ईंधन के रूप में देना होगा, जिसकी मात्रा 5 फीसद से बढ़ा कर 15 फीसद की गई है। किसी भी तरह के पुनः चक्रीकरण या उपयोग के योग्य कचरे को ही लैंड फिल में डालने की अनुमति होगी। आम कचरा वहां डालने पर अतिरिक्त शुल्क देना होगा। पुराने संचित अपशिष्ट को धीरे-धीरे खत्म करने के लिए योजना बनानी होगी। पहाड़ी क्षेत्रों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। वे स्थानीय निकायों के माध्यम से पर्यटक शुल्क लगा सकते हैं और पर्यटक संख्या नियंत्रित कर सकते हैं। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड नियम बनाएगा और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व निगरानी समितियों के माध्यम से नियम लागू किए जाएंगे। एक केंद्रीकृत पोर्टल कचरा उत्पादन, संग्रह,और निपटारे की निगरानी करेगा और भौतिक सूचनाओं को डिजिटल ऑडिट में बदलेगा। प्रबंधन के लिए अपशिष्ट से धन और उर्जा के रास्ते पर काम हो रहा है। प्लास्टिक कचरे का अलग से प्रसंस्करण करना और प्रोजेक्ट री प्लान के तहत कैरी बैग निर्माण में 20 फीसद कपास के रेशे मिलाने की योजना है। पैकिंग सामग्री के निमार्ताओं, आयातकों, और खुदरा विक्रेताओं की जिम्मेदारियां निर्धारित की गई हैं। स्थानीय स्वशासन के सभी निकायों नगर निकायों और पंचायतों के सदस्यों, प्रधानों, मेयर और काउंसल विशेष रूप से नियमों को लागू करने और जागरुकता फैलाने के लिए जिम्मेदार ठहराए गए हैं। नियमों को लागू करने में विफलता या ढील के चलते इन चुने हुए स्थानीय स्वशासन के जिम्मेदार लोगों और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को दंडित करने का प्रावधान किया गया है। कचरा पैदा करने वाले और प्रबंधन की जिम्मेदारी में ढील बरतने वाले, दोनों को ही दंड के दायरे में रखा गया है। यह नियम पहली अप्रैल 2026 से लागू हो गए हैं। किन्तु मुख्य चुनौती तो इन प्रावधानों को सही से लागू करने करवाने की है। कचरा प्रबंधन नियम तो 2016 से ही लागू हो गए हैं। वर्तमान में उनको अधिक सख्त बनाने का निर्णय स्वागत योग्य है। फिर भी जब तक गंभीरता पूर्वक लागू करने की व्यवस्था खड़ी नहीं की जाती, समस्या बनी ही रहेगी। जागरुकता इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। हर नागरिक को लगना चाहिए कि वह इन नियमों का पालन करके अपने और अपने परिवार के स्वास्थ्य की रक्षा कर रहा है। पर्यावरण की रक्षा कोई दया परोपकार का काम नहीं है बल्कि अपने ही वर्तमान और दीर्घकालीन जीवन व्यवस्था को सुरक्षित बनाने का काम है। इसके लिए विकेन्द्रित प्रबन्धन प्रणालियां बना कर पंचायत स्तर तक व्यवस्था खड़ी करनी होगी। विश्वविद्यालयों और स्कूलों में अनुसंधान और व्यवहारिक पुनः चक्रीकरण कार्यक्रमों के द्वारा जागरुकता फैलाई जानी चाहिए होगी। वरना यह कचरा समुद्री जीवों के विनाश से ले कर जमीन की उपजाऊ शक्ति का ह्रास और वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण से जीवन को अधिकाधिक कठिन और रोगी बनाता जाएगा। सचेत होने का समय है, क्योंकि औद्योगिक स्वार्थ और हमारी लापरवाही जीव जगत पर भारी पड़ने वाली है।

परंपरा, बाजार और बदलती पहचान

सांस्कृतिक हमला शब्द भले आक्रामक प्रतीत होता हो लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सांस्कृतिक संरचना में त्योहारों का स्थान केवल आनंद और उत्सव तक सीमित नहीं है बल्कि वे समाज की ऐतिहासिक स्मृति, आर्थिक संरचना, प्रकृति के साथ संबंध और मानवीय संवेदनाओं के गहरे ताने-बाने से जुड़े होते हैं। यहाँ त्योहार जीवन के हर पहलू को स्पर्श करते हैं- खेती, ऋतु परिवर्तन, पारिवारिक संबंध, सामूहिकता और आस्था। लेकिन वर्तमान समय में यह प्रश्न गंभीरता से उठाया जाने लगा है कि क्या हमारे पारंपरिक त्योहार अपनी मूल आत्मा से दूर हो रहे हैं? क्या उन पर एक प्रकार का ह्यसांस्कृतिक हमलाह्न हो रहा है, जो धीरे-धीरे उनकी असल पहचान को बदल रहा है?

सांस्कृतिक हमला शब्द भले आक्रामक प्रतीत होता हो लेकिन इसका आशय किसी एक वर्ग या समूह पर आरोप लगाना नहीं है। यह उस धीमी, सूक्ष्म और कई बार अनदेखी प्रक्रिया की ओर संकेत करता है, जिसके माध्यम से परंपराएँ अपने मूल सामाजिक और सांस्कृतिक संदर्भ से हटकर नए अर्थ ग्रहण करने लगती हैं। यह परिवर्तन कभी स्वाभाविक होता है तो कभी सुनियोजित आर्थिक और वैचारिक प्रभावों का परिणाम भी हो सकता है।

भारतीय त्योहारों की जड़ें मुख्यतः कृषि और प्रकृति से जुड़ी रही हैं। देश का अधिकांश समाज सदियों तक कृषि आधारित रहा है इसलिए फसल, मौसम और भूमि के साथ उसका गहरा रिश्ता रहा। फसल कटने की खुशी, नई बुवाई की शुरूआत, वर्षा के आगमन का स्वागत- ये सब त्योहारों के माध्यम से व्यक्त होते थे। इन उत्सवों में किसान केंद्र में होता था क्योंकि वही अन्न का उत्पादक था और वही समाज की जीवन रेखा को बनाए रखता था। ऐसे त्योहारों में आडंबर कम और सहभागिता अधिक होती थी। लोग मिलकर गाते-बजाते, सामूहिक भोज करते और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते थे।

जैसे-जैसे समाज में शहरीकरण बढ़ा, औद्योगिकीकरण हुआ और बाजार की ताकतें मजबूत हुईं, त्योहारों का स्वरूप भी बदलने लगा। अब त्योहारों को केवल सांस्कृतिक या सामाजिक दृष्टि से नहीं बल्कि आर्थिक अवसर के रूप में भी देखा जाने लगा। बाजार ने त्योहारों को उपभोग से जोड़ दिया-जहाँ खरीदारी, सजावट और प्रदर्शन को प्रमुखता मिलने लगी। त्योहारों के साथ ह्यऑफरह्न, ह्यडिस्काउंटह्न और ह्यशुभ खरीदारीह्न जैसे विचार जुड़ गए, जिसने उनके मूल स्वरूप को प्रभावित किया।

यह बदलाव केवल बाहरी नहीं है बल्कि मानसिकता में भी आया है। पहले त्योहारों का अर्थ था-मिलना-जुलना, आपसी साझेदारी की भावना और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करना। अब कई जगहों पर यह प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुका है- किसने कितना खर्च किया, किसने क्या खरीदा, किसका आयोजन कितना भव्य था। इस प्रक्रिया में त्योहारों की आत्मा कहीं पीछे छूटती चली गई।

त्योहारों पर सांस्कृतिक हमले की चर्चा करते समय एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है- लोक परंपराओं का हाशिए पर जाना। भारत में हर क्षेत्र की अपनी विशिष्ट परंपराएँ रही है, जो स्थानीय जीवनशैली, भाषा और संसाधनों से जुड़ी होती थीं। लेकिन आज मीडिया और बाजार के प्रभाव में एक प्रकार की सांस्कृतिक एकरूपता देखने को मिल रही है। कुछ खास त्योहारों और उनके खास तरीकों को पूरे देश में मानक बना दिया गया है, जिससे स्थानीय विविधताएँ धीरे-धीरे लुप्त हो रही हैं।

उदाहरण के लिए, कई ऐसे लोकपर्व जो कभी कृषि और ग्रामीण जीवन से जुड़े थे, अब शहरी और धार्मिक व्याख्याओं में बदल गए हैं। उनकी मूल भावना- जो श्रम, प्रकृति और सामूहिकता से जुड़ी थी- अब पौराणिक कथाओं और बाजार-प्रेरित प्रतीकों के पीछे दबती जा रही है। इससे समाज के उस वर्ग की भूमिका कम होती जा रही है, जो वास्तव में इन त्योहारों की आत्मा रहा है- यानी किसान और श्रमिक।

यहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि हर बदलाव को नकारात्मक दृष्टि से देखना उचित नहीं होगा। संस्कृति का स्वभाव ही परिवर्तनशील होता है। समय के साथ उसमें नए तत्व जुड़ते हैं और यही उसकी जीवंतता का प्रमाण है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है, जब यह परिवर्तन असंतुलित हो जाता है- जब वह समाज के मूल आधार को कमजोर करने लगता है।

आज के संदर्भ में सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या हम अपने त्योहारों के मूल अर्थ को समझ पा रहे हैं? क्या हम यह पहचान रहे हैं कि वे केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक जीवन का प्रतिबिंब भी हैं? यदि त्योहारों में किसान की भूमिका को भुला दिया जाता है, यदि श्रम के सम्मान को नजरअंदाज किया जाता है तो यह एक गंभीर सांस्कृतिक असंतुलन का संकेत है।

त्योहारों को बाजार से पूरी तरह अलग करना संभव नहीं है और न ही यह आवश्यक है। बाजार भी समाज का ही एक हिस्सा है और वह अपनी भूमिका निभाता है। लेकिन यह जरूरी है कि बाजार त्योहारों की आत्मा पर हावी न हो। उपभोग और आडंबर के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है ताकि त्योहारों की मूल भावना जीवित रह सके।

इशिक्षा और मीडिया की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि वे त्योहारों की गहराई और उनके सामाजिक संदर्भ को सही तरीके से प्रस्तुत करें तो समाज में जागरूकता बढ़ सकती है। इसके साथ ही, नीति-निमार्ताओं को भी इस दिशा में विचार करना चाहिए कि कैसे लोक संस्कृति और ग्रामीण परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित किया जाए।

अंततः, सांस्कृतिक हमले का मुकाबला किसी एक दिन या एक प्रयास से नहीं किया जा सकता। यह एक सतत प्रक्रिया है, जिसमें समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। हमें अपने त्योहारों को केवल परंपरा के रूप में नहीं बल्कि जिम्मेदारी के रूप में भी देखना होगा- एक ऐसी जिम्मेदारी, जो हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखे।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सत्ता में महिलाओं की भागीदारी, आठ देश सबसे आगे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है।

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का विधेयक गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल आठ देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनाव में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है।

महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रोचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हालांकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थीं। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही।

जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्यसभा में टीएमसी की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य हैं। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य हैं। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य हैं।

खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती हैं। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा। यह सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा। यदि महिलाओं की सत्ता में सहभागिता बढ़ानी है तो महिला सीटों का आरक्षण करना ही होगा। यह अवश्य है कि आरक्षण की सीमा आपसी समन्वय व विचार-विमर्श से सर्वसम्मति से तय होता है तो यह बेहतर लोकतांत्रिक परंपरा होगी। राजनीतिक दलों को आपसी आग्रह दुराग्रहों से हटकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों को भी इस दिशा में देश में माहौल बनाना चाहिए। यह साफ है कि अब समय आ गया है जब महिलाओं की हिस्सेदारी तय होनी ही चाहिए।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भगवान शिव का उपचार मंदिर, यहां थायराइड और पीसीओएस से परेशान महिलाएं लगाती हैं अर्जी

भारत में प्राचीन और लोकप्रिय कई मंदिर मौजूद है। इन्हीं में से एक खास शिव मंदिर तमिलनाडु में स्थित है। भगवान शिव को नेचुरल हीलर के तौर पर भक्त मानते हैं। कई शिव मंदिरों के बारे में यहां मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने और प्रसाद लेने से इंसान को कई बीमारियों से छुटकारा मिल जाता है। तमिलनाडु में एक ऐसा मंदिर है, जहां सिर्फ दर्शन और पूजने के लिए नहीं बल्कि अपने अपने थायराइड इश्यू, महिलाएं पीसीओएस की समस्या दूर करने के लिए भी आती हैं। वैसे तो ये मंदिर किसी उपचार का हल नहीं है लेकिन लोगों की श्रद्धा ने उन्हें इस मंदिर की तरफ ले जाती है। आइए आपको बताते हैं कहां पर स्थित है ये मंदिर

जानिए तमिलनाडु में कहां पर स्थित है मंदिर?

तमिलनाडु के छोटे से गांव थिरुनिलकुडी के कुम्बकोणम में बना है नीलकंडेश्वर महादेव टेंपल। जो कि तंजावुर जिले में बना है। जहां पर भक्त थायराइड और पीसीओएस जैसी समस्याओं को हील करने के लिए जाते हैं।

नीलकंठ के रूप में पूजे जाते हैं महादेव

इस प्रसिद्ध मंदिर में भगवान शिव की पूजा नीलकंठेश्वर के रुप में होती है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, देवता और असुरों के बीच हुए समुद्र मंथन से निकले विष को भगवान शिव ने कंठ में धारण किया था। जिसकी जलन से भगवान का कंठ नीला हो गया था। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस मंदिर में माता पार्वती ने भगवान शिव को तेल अर्पित किया था, जिससे उनकी गले की जलन शांत हो सके। इसी मान्यता के चलते इस मंदिर में भक्तजन थायराइड और पीसीओएस जैसी समस्या को शांत करने के लिए आते हैं।

चमत्कारिक विभूति के लिए आते हैं भक्त

इस मंदिर में भक्त अपने अंदर के डर, पीसीओएस की समस्या और थायराइड जैसे गले की प्रॉब्लम की हील करने के लिए आते हैं। माना जाता है कि इस मंदिर की पवित्र और चमत्कारिक विभूति को गले में लगाने से इन सभी समस्याओं से राहत मिलती है। इस मंदिर पर लोगों की गहरी आस्था है। ताकि उन्हें मानसिक रूप से बल मिल सके और वो अपनी बीमारियों से लड़कर उसे ठीक कर सकें।

भगवान शिव की पूजा वैद्य रूप में की जाती है

नीलकंडेश्वर महादेव मंदिर के अलावा कई और भी मंदिर है जहां पर भगवान शिव की पूजा वैद्य के रुप में की जाती है। सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में एक है वैथीस्वरन मंदिर। ये मंदिर तंजावुर जिले से दो घंटे की दूरी पर स्थित वैथीस्वरन कोइल मंदिर है। यहां पर सिद्ध कुंड है, जिसे सिद्धामृतम कुंड के नाम से जाना जाता है। इस जल को भक्त औषधीय मानते हैं जो उनके त्वचा के रोग ठीक हो सके।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

उपायुक्त ने जरमुंडी प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का किया निरीक्षण

संवाददाता

जरमुंडी : उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने मंगलवार को जरमुंडी प्रखंड कार्यालय एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री सिन्हा ने संचालित विभिन्न योजनाओं एवं अभिलेखों का गहनता से अवलोकन करते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने कर्मियों की कर्म-पुस्तिका, आगत एवं निर्गत पंजी की अद्यतन स्थिति, परिवारवाद पत्रों के निष्पादन, नजारत, रोकड़ बही, अग्रिम भुगतान पंजी, विपत्र उपयोगिता प्रमाण पत्र सहित जाति, आवासीय एवं आय प्रमाण पत्र तथा वंशावली से संबंधित अभिलेखों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने सभी अभिलेखों को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा कार्यों में पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए उपायुक्त श्री सिन्हा ने पेयजल व्यवस्था को लेकर विशेष निर्देश देते हुए कहा कि आमजनों को किसी भी प्रकार की पेयजल समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखें। उन्होंने सभी खराब चापानलों की शीघ्र मरम्मत कर उन्हें चालू स्थिति में लाने का निर्देश भी दिया।

इस दौरान प्रखंड के निरीक्षण हेतु गठित टीम के साथ उपायुक्त श्री सिन्हा ने एक बैठक भी की। बैठक में टीम द्वाराशौचालय, पीडीएस, पेयजल आपूर्ति एवं आंगनबाड़ी केंद्रों से संबंधित समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया गया। उपायुक्त श्री सिन्हा ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को अविलंब आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने स्पष्ट रूप से कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्यों में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभुकों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी कुंदन भगत एवं अंचल अधिकारी संजय कुमार के साथ-साथ कार्यालय के संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी

आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर, शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज:समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त श्री दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। उपायुक्त ने एक-एक कर सभी फरियादियों की बातें ध्यानपूर्वक सुनीं तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सभी शिकायतों का निष्पक्ष जांच के बाद शीघ्र समाधान किया जाएगा।सुनवाई के दौरान जमीन विवाद, जमीन रजिस्ट्री मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना का लाभ ठगी से संबंधित मामले, आपदा सहायता, दखल विवाद अन्य प्राप्त आवेदन विभिन्न विभागों एवं योजनाओं से संबंधित रहे। जिन पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों की भौतिक जांच करते हुए प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक मामले में पारदर्शिता बनाए रखते हुए तय समयसीमा के भीतर कार्रवाई की जाए तथा उसकी प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने जनहित से जुड़े मामलों में लापरवाही या देरी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का शीघ्र एवं प्रभावी समाधान करना है। जिससे लोगों का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हो सके।

जाति प्रमाण पत्र को लेकर शेरशाहवादी समुदाय का आंदोलन चार मई से

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : प्रखंड के शेरशाहबादी समुदाय के लोगों ने जाति प्रमाण पत्र निर्गत किए जाने की मांग को लेकर आंदोलन का ऐलान कर दिया है।इस संबंध में शेरशाहबादी डेवलपमेंट सोसाइटी के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को अंचलाधिकारी से मुलाकात कर एक लिखित ज्ञापन के माध्यम से धरना को लेकर सूचना दी।प्रतिनिधिमंडल ने अंचल कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन दिया और कहा कि 4 मई 2026 से प्रखंड सह अंचल कार्यालय के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

क्या है मामला?

ज्ञापन में कहा गया है कि बरहरवा प्रखंड में शेरशाहबादी समुदाय की बड़ी आबादी निवास करती है, जो आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ी हुई है।पहले इस समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग ओबीसी

के तहत जाति प्रमाण पत्र जारी किए जाते थे। लेकिन पिछले लगभग 14 वर्षों से शेरशाहवादी जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना बंद कर दिया गया है।समाज के लोगों का आरोप है कि जानबूझकर एक प्रक्रिया के तहत प्रमाण पत्र जारी करने में बाधा उत्पन्न की जा रही है,जिससे युवाओं को शिक्षा,नौकरी और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है।पहले भी हो चुका है आंदोलन सोसाइटी ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर वे पिछले कई वर्षों से आंदोलन करते आ रहे हैं,लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।प्रशासन और सरकार की ओर से इस गंभीर समस्या पर अपेक्षित पहल नहीं होने से लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।और अब अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।जब तक प्रमाणपत्र नहीं मिल जाता है तब तक धरना जारी रहेगा।मौके पर संगठन के प्रतिनिधिमंडल के रूप में मुखिया इश्तियाक अहमद,आजमाइल शेख, शाहीन अख्तर,शकील अहमद एवं फारोग अहसान मौजूद थे।

पोषण पखवाड़ा के तहत जागरूकता अभियान, महिलाओं ने लिया स्वस्थ जीवन का संकल्प

सखी मंडल की दीदियों ने संतुलित आहार स्वच्छता और टीकाकरण पर दिया जोर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: प्रखंड क्षेत्र में पोषण पखवाड़ा के अवसर पर अमानत क्लस्टर के दक्षिण पियारपुर पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के अंतर्गत सखी मंडल की दीदियों द्वारा किया गया। यह आयोजन आईपीआरपी अनंत कुनाई के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान सखी मंडल की दीदियों ने स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हरी सब्जियाँ, मौसमी फल, दाल एवं

अनाज के माध्यम से संतुलित आहार की जानकारी विस्तार से दी।उन्होंने बताया कि सही खान-पान से ही शरीर को आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं, जो बीमारियों से बचाव में सहायक होते हैं। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं छोटे बच्चों के लिए पोषण की आवश्यकता पर जोर दिया गया। दीदियों ने कुपोषण के दुष्परिणामों और उससे बचाव के उपायों को सरल भाषा में समझाते हुए कहा कि शुरूआती देखभाल और सही आहार से बच्चों का समुचित विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इसके साथ ही कार्यक्रम में स्वच्छता, नियमित स्वास्थ्य जांच, समय पर टीकाकरण एवं संतुलित जीवनशैली के महत्व पर भी विस्तार से चर्चा की गई। ग्रामीण परिवारों को जागरूक करते हुए कहा गया कि ह्लस्वस्थ शरीर ही समृद्ध जीवन की आधारशिला है,ह्व इसलिए प्रत्येक परिवार को पोषण के प्रति सजग रहना चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित महिलाओं ने पोषण पखवाड़ा के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने और अपने दैनिक जीवन में पोषण संबंधी आदतों को अपनाने का संकल्प लिया।

एसकेएमयू: यूनिवर्सिटी के पीजी विभागों में कक्षाएं मॉर्निंग शिफ्ट में

संवाददाता

दुमका: भीषण गर्मी और लगातार जारी हीटवेव को देखते हुए सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका प्रशासन ने कक्षाओं के समय में बदलाव करने का निर्णय लिया है। विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्षों के अनुरोध पर अब सभी स्नातकोत्तर विभागों में कक्षाएं प्रातःकालीन सत्र में संचालित की जाएंगी। नई व्यवस्था के तहत कक्षाएं सुबह 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक होंगी और यह आदेश अगले निर्देश तक प्रभावी रहेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिया है कि वे इस नई समय-सारणी को तत्काल प्रभाव से लागू करें। साथ ही छात्रों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय बसों के समय में भी बदलाव किया गया है। संशोधित समय के अनुसार बसें डीसी चौक, दुमका से सुबह 6:20 बजे प्रस्थान कर 6:55 बजे विश्वविद्यालय परिसर पहुंचेंगी, जबकि वापसी में बसें विश्वविद्यालय परिसर से दोपहर 12:10 बजे चलकर डीसी चौक, दुमका 12:45 बजे पहुंचेंगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय के डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव द्वारा आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया गया है।

एक मई को रेलवे स्टेशन परिसर राजमहल से नया बाजार दुर्गा मंदिर तक रैली निकलेगी

संवाददाता

साहिबगंज:झारखंड मजदूर संघ प्रजा० की जिला स्तरीय बैठक रेलवे परिसर राजमहल में जिला महामंत्री मोहम्मद इमाम विश्वास की अध्यक्षता मे हुई।बैठक मे आगामी मई दिवस की तैयारी की समीक्षा की गई हुई।इस बैठक में केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव उपस्थित हुए।बैठक मे निर्णय लिया गया कि भीषण गर्मी को देखते हुए सुबह 1 मई को 9:00 बजे रेलवे स्टेशन परिसर राजमहल से नया बाजार दुर्गा मंदिर तक रैली निकलेगी और जागरूकता सभा होगी।वही बैठक मे मई दिवस की सफलता के लिए कार्यक्रम प्रभारी जिला सहायक मंत्री मिथुन राजवंशी का नियुक्त किया गया।वही बैठक मे केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक जिला कमेटी के पदाधिकारी की सूची मे आंशिक फेर बदल करते हुए केंद्र कमिटी के सहमति के बाद नई जिला कमिटी की घोषणा की गई।नई कमिटी के

अनुसार जिला अध्यक्ष प्रियतम कुमार पीयूष कार्यकारी अध्यक्ष मो०सईद अख्तर,उपाध्यक्ष निखिल यादव,उपाध्यक्ष मुखलेशुर रहमान,उपाध्यक्ष उदरन हांसदा,महामंत्री मो० इमाम विश्वास,संयुक्त मंत्री चौकीदार हांसदा,सहायक मंत्री पोलुस गुरुजी टुडू,सहायक मंत्री -मिथुन राजवंशी,सहायक मंत्री मो सद्दाम अंसारी,कार्यालय मंत्री जावेद अख्तर कोषाध्यक्ष राकेश कुमार महतो मीडिया प्रभारी,संगठन मंत्री राम कृष्ण प्रमाणिक को बनाया गया।बैठक मे दुर्योधन शाह,सद्दाम अंसारी,भैरव मेहता,रवि घोष,सुरेंद्र कुमार,फिरोज अंसारी सहित संघ के कई लोग शामिल थे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुद्दे पर विपक्षी दलों का रवैया अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण : दिलीप

एजेंसी

साहिबगंज:भारतीय जनता पार्टी जिला इकाई की एक बैठक मंगलवार को जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।बैठक में आगामी नारी शक्ति आक्रोश यात्रा व जनाक्रोश रैली 25 अप्रैल 2026 मोराबादी मैदान रांची को लेकर विस्तृत चर्चा एवं रणनीति तय की गई।इस कार्यक्रम के जिला प्रभारी दिलीप कुमार सिंह पूर्व जिला अध्यक्ष,गोड्डा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के मुद्दे पर विपक्षी दलों का रवैया अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने न केवल इस महत्वपूर्ण अधिनियम का विरोध किया। बल्कि सदन में इसकी खुशी भी मनाई और तालियां बजाईं,जिससे

देश की महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंची है। इस विषय को लेकर जनमानस में गहरा आक्रोश है और जनता विपक्ष के इस आचरण को कभी माफ नहीं करेगी।उन्होंने आगे कहा कि सपा कांग्रेस टीएमसी एवं डीएमके जैसे दलों के महिला विरोधी रवैये के खिलाफ आज पूरे देश में आक्रोश व्याप्त है।इसी कड़ी में 25 अप्रैल को रांची के मोराबादी मैदान में भाजपा झारखंड द्वारा विशाल जनाक्रोश रैली का आयोजन किया जा रहा है।जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि साहेबगंज जिला से सैकड़ों की संख्या में मातृशक्ति इस रैली में भाग लेकर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराएगी और नारी सम्मान के पक्ष में अपना दृढ़ संकल्प प्रकट करेगी।बैठक में मुख्य रूप नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष रामानंद साह,जिला महामंत्री शलखु सोरेन,जिला उपाध्यक्ष सोनेलाल ठाकुर,रमिता तिवारी,गरिमा साह,जिला मंत्री चांदनी देवी,सागर मंडल,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र मंडल,गौतम पंडित स्वेता श्रीवास्तव,सिन्धु पांडेय,सभी जिला पदाधिकारी,मंडल के अध्यक्ष/महामंत्री उपस्थित रहे।सभी ने एकजुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया।

न्यूज IN ब्रीफ

घर में आग लगाने और चोरी करने के आरोप में अभियुक्त गिरफ्तार

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र के बासकोला निवासी रविंद्र कुमार शाह एवं विपिन कुमार शाह को जिरवाबाड़ी पुलिस ने एक नाबालिग किशोरी को भगाने, नाबालिग के स्वजनों के साथ मारपीट करने, घर में आग लगाने और चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी शशि सिंह ने बताया कि जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के लोहंड़ा के रहने वाले एक पीड़ित परिवार ने उसकी नाबालिक पुत्री की शादी की नीयत से अपहरण करने एवं परिवार के साथ मारपीट करने को लेकर 4 से 5 लोगों पर आरोप लगाते हुए थाना में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस अनुसंधान में जुट गई और इस मामले में समलित रविंदर और विपिन को गिरफ्तार किया गया पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया है।

पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष नव पदस्थापित उपायुक्त से मिले

साहिबगंज :पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष राम प्रशद सचिन सुनील शर्मा ने नव पदस्थापित उपायुक्त दीपक प्रकाश दुबे से शिष्टाचार मुलाकात की। यह मुलाकात जिला मुख्यालय स्थित उपायुक्त कार्यालय में सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस दौरान अध्यक्ष सचिन ने उपायुक्त का स्वागत करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जिले में बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की कामना की।मुलाकात के दौरान पुलिस मेंस एसोसिएशन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। अध्यक्ष ने पुलिस कर्मियों की कार्य परिस्थितियों, सुविधाओं और कल्याण से संबंधित कुछ सुझाव उपायुक्त के समक्ष रखे। उपायुक्त दीपक प्रकाश झा ने सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया।

उपायुक्त ने बाबा मंदिर प्रांगण और दुम्मा बॉर्डर तक रूटलाइन का किया निरीक्षण

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि प्रकाश सिंह ने मंगलवार को बाबा मंदिर प्रांगण व आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य आगामी बड़े आयोजनों और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रशासनिक तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाओं का धरातलीय आकलन करना था। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिंह ने मेला क्षेत्र के साथ खिजुरिया, दुम्मा बॉर्डर, कोठिया रुटलाइन का निरीक्षण किया। साथ ही श्रद्धालुओं को दी जाने वाली विभिन्न सुविधाओं और कि जाने वाली तैयारी का जायजा लिया। आगे निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने पैदल मार्ग की स्थिति, शौचालय, पेयजल, स्नानगृह, प्रकाश व्यवस्था (स्ट्रीट लाइट्स), और विश्राम स्थलों का बारीकी से निरीक्षण किया। इसके अलावा उपायुक्त श्री सिंह ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि, श्श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ऐसे में सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और तैयारियों में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरतें। मौके पर जिला नजारत उपसमाहर्ता शैलेश प्रियदर्शी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, डीएमएफटी की टीम व संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित थे।

रेलवे नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना प्रमुख उद्देश्य है : राहुल

मामलों के सुनवाई में 21300 रुपये एवं बिना टिकट के यात्रियों से 44,720 रुपये का जुमार्ने की हुई वसूली

साहिबगंज/बरहरवा :साहिबगंज रेलवे मजिस्ट्रेट राहुल कुमार द्वारा बरहरवा रेलवे स्टेशन पर पूर्व निर्धारित कैंप कोर्ट सह टिकट जांच अभियान का आयोजन किया गया।रेलवे मजिस्ट्रेट राहुल कुमार के नेतृत्व में बरहरवा आरपीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार,मुख्य टिकट निरीक्षक हेमंत कुमार अन्य आरपीएफ अधिकारी कर्मचारियों के संयुक्त दल द्वारा बरहरवा रेलवे स्टेशन और विभिन्न ट्रेनों में सघन जांच अभियान चलाया गया।जाँच अभियान के दौरान महिला कोच,दिव्यांग कोच एवं लगेज,सामान डिब्बों में अनधिकृत रूप से यात्रा कर रहे यात्रियों की जांच की गई। इसके अतिरिक्त रेलवे ट्रैक पार करने वाले अवैध वेंडरिंग करने वाले,स्टेशन परिसर में गंदगी फैलाने धूम्रपान करने तथा बिना बुकिंग सामान ले जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की गई।जांच के दौरान आरपीएफ पोस्ट बरहरवा द्वारा कुल 96 मामलों में विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों को गिरफ्तार दंडित किया गया एवं उन्हें स्टेशन परिसर में आयोजित कैंप कोर्ट में रेलवे मजिस्ट्रेट साहेबगंज के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां कुल ? 21,300/- की जुमार्ना राशि वसूल की गई।वहीं बिना टिकट यात्रा कर रहे 102 लोगो से कुल 44,720/झरुपए का जुमार्ना वसूला गया।रेलवे मजिस्ट्रेट राहुल कुमार ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाना,ट्रैक पार करने की घटनाओं में कमी लाकर संभावित रेल दुर्घटनाओं को रोकना,अवैध वेंडरिंग पर नियंत्रण स्थापित करना तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखना है।साथ ही आम जनता को रेलवे नियमों के प्रति जागरूक करना भी इस कार्रवाई का प्रमुख उद्देश्य है।उन्होंने आगे बताया कि इस प्रकार के विशेष जांच अभियान भविष्य में भी नियमित रूप से चलाए जाएंगे,ताकि रेलवे परिसर में अनुशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य की देखरेख में परीक्षा संपन्न

साहिबगंज :एनआईओएस द्वारा प्रायोजित सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी की परीक्षा केंद्रीय विद्यालय साहिबगंज में सुचारू रूप से चल रही है.मंगलवार को केंद्रीय विद्यालय परीक्षा केंद्र में सीनियर सेकेंडरी विषय केमिस्ट्री, पॉलिटिकल साइंस और मास कम्युनिकेशन की परीक्षा थी।केंद्रीय विद्यालय के

प्राचार्य सह सेंटर सुपरीटेंडेंट प्रमोद कुमार मिश्रा की देखरेख में परीक्षा संपन्न हुई।केंद्रीय विद्यालय के शिक्षकों का भी पूरा सहयोग रहा।एनआईओएस के ओएसडी प्रो.कमल कुमार महावर की उपस्थिति परीक्षा केंद्र पर रही।उन्होंने वोओएसडी के दायित्व में औचक निरीक्षण भी किया एवं समस्त रिपोर्ट एनआईओएस के रीजनल सेंटर को प्रेषित किया।

आईपीएल 2026 : अभिषेक शर्मा का तूफानी शतक, हैदराबाद ने दिल्ली को 47 रन से हराया

एजेंसी

हैदराबाद : हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में मंगलवार को तूफान आया और ये तूफान निकला अभिषेक शर्मा के बल्ले से, जिन्होंने धमाकेदार पारी खेल सनराइजर्स हैदराबाद को जीत दिला दी। आईपीएल 2026 के 31वें मैच में हैदराबाद की टीम ने एकतरफा अंदाज में दिल्ली को 47 रनों से मात दी। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 242 रन बनाए, जिसके जवाब में दिल्ली की टीम 195 रन ही बना सकी। हैदराबाद की जीत के हीरो अभिषेक शर्मा रहे, जिन्होंने 68 गेंदों में नाबाद 135 रन बनाए। अभिषेक के अलावा ट्रेविस हेड ने 37, ईशान किशन ने 25 रनों की पारी खेली. हेनरिक क्लासेन ने 13 गेंदों में नाबाद 37 रन बनाए। हैदराबाद में टॉस तो दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने जीता लेकिन बाजी सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाजों ने मारी। हैदराबाद को ओपनर अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने तूफानी शुरूआत दी। खासतौर पर अभिषेक शर्मा पावरप्ले में दिल्ली के गेंदबाजों पर टूट पड़े। पावरप्ले में हैदराबाद ने 67 रन बनाए और इस टीम के पचास रन महज 28 गेंदों में पूरे हुए। अभिषेक शर्मा को अपना अर्धशतक पूरा करने में सिर्फ 25 गेंदें लगीं। इसके बाद ट्रेविस हेड का विकेट जरूर गिरा लेकिन अभिषेक नहीं रुके. उन्होंने कप्तान इशान किशन के साथ मिलकर 35 गेंदों में 79 रन जोड़े। अभिषेक ने दिल्ली के स्पिनर्स को रडार पर लिया। उन्होंने नीतीश राणा के खिलाफ पांच छक्के लगाए, साथ ही उन्होंने कुलदीप यादव की गेंद पर भी दो छक्के मारे। अभिषेक ने अपनी पारी में 10 छक्के और 10 चौके लगाए और वो आखिरी ओवर की आखिरी गेंद तक आउट नहीं हुए। इस बीच क्लासेन ने भी ताबड़तोड़ बैटिंग करते हुए 3 छक्के, 3 चौकों की मदद से 37 रन कूट दिए.। दिल्ली कैपिटल्स की शुरूआत अच्छी नहीं रही. पाथुम निसंका 8 रन बनाकर आउट हो गए।. लेकिन इसके बाद केएल राहुल और नीतीश राणा ने अच्छी साझेदारी की। नीतीश राणा ने 30 गेंदों में 57 रनों की पारी खेली। केएल राहुल ने भी 23 गेंदों में 37 रन बनाए लेकिन इन खिलाड़ियों की बल्लेबाजी दिल्ली को जीत नहीं दिला सकी। हैदराबाद के लिए ईशान मलिंगा ने 4, हर्ष दुबे ने 3 विकेट झटके। जबकि साकिब हुसैन और मधुशंका को 1-1 कामयाबी मिली।

हैदराबाद की जीत और दिल्ली की हार के साथ ही अंक तालिका में बड़ा बदलाव हो गया। हैदराबाद अब 7 मैचों में 4 जीत के साथ तीसरे नंबर पर काबिज हो गई है, वहीं राजस्थान रॉयल्स चौथे नंबर पर लुढ़क गई है। पंजाब पहले और आरसीबी दूसरे स्थान पर है।

सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी पर लगाए गंभीर आरोप

एक ही वॉशरूम इस्तेमाल करते थे 17 कंटेस्टेंट

अभिनेत्री सोनाली राउत ने बिग बॉस मराठी सीजन 6 के निर्माताओं पर शो के दौरान अस्वच्छ (अनहाइजीनिक) रहने की स्थिति का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खराब वातावरण के कारण उन्हें खुजली की बीमारी हो गई। उन्होंने किचन से लेकर वॉशरूम तक में गंदगी होने और मरे हुए चूहे और कॉकरोच मौजूद होने के आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर सोनाली ने अपने शरीर पर, पीठ, बांहों, पैरों और धड़ सहित, चकत्ते और निशान दिखाते हुए वीडियो साझा किए। सोनाली राउत ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इसमें उन्होंने स्थितियों को दयनीय बताया, जिसमें रसोई में चूहे किराने का सामान कुतर रहे थे और खाने में कॉकरोच पाए जा रहे थे। साथ ही पोस्ट में सोनाली ने अपनी कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं, जिसमें उन्होंने अपने शरीर पर निकले दाने, निशान और चकत्ते दिखाए।

तब्बू ने वर्सोवा में खरीदा ?10 करोड़ का अपार्टमेंट

गौहर खान ने ?10.13 करोड़ में ले रखे हैं 3 अपार्टमेंट

लियासेस फोरस से मिले पेपर्स के मुताबिक, तबस्सुम फातिमा हाशमी, यानी कि एक्ट्रेस तब्बू ने मुंबई के वर्सोवा में गोदरेज प्रॉपर्टीज से 10 करोड़ रुपये में 2,153 वर्ग फुट का अपार्टमेंट खरीदा है। दस्तावेजों के अनुसार, यह अपार्टमेंट मुंबई के वर्सोवा इलाके में स्थित गोदरेज स्काईशोर बिल्डिंग में खरीदा गया था। बिक्री के मुताबिक, अपार्टमेंट की खरीद 26 मार्च, 2026 को रजिस्टर की गई थी, जिसके लिए ?5.24 लाख का स्टांप शुल्क और ?30,000 का पंजीकरण शुल्क अदा किया गया था। दस्तावेजों से पता चलता है कि तब्बू ने अपार्टमेंट के साथ दो कार पार्किंग स्लॉट भी खरीदे थे। अपार्टमेंट का क्षेत्रफल लगभग 21,53 वर्ग फुट है और इसमें लगभग 127 वर्ग फुट की बालकनी भी शामिल है।

तब्बू की प्रॉपर्टी में क्या-क्या?

दस्तावेजों के अनुसार, गोदरेज स्काईशोर परियोजना 27,000 वर्ग फुट से अधिक जमीन पर बनाई जा रही है। इस परियोजना में दो टावर होंगे, टावर ए और टावर बी, जिनमें पांच बेसमेंट, ग्राउंड फ्लोर और कुल 24 मंजिलें होंगी। परियोजना में 126 आवासीय इकाइयां होंगी। तब्बू ने फिलहाल इस पर कोई बात नहीं की है।

कौन हैं तब्बू? जानिए नेट वर्थ

तब्बू बॉलीवुड की एक मशहूर एक्ट्रेस हैं, जो अपनी दमदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने 'मकबूल', 'हैदर' और 'अंधाधुन' जैसी फिल्मों में काम किया है। कई राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित तब्बू को लीक से हटकर रोल्स चुनने के लिए सम्मानित किया जाता है। उनकी नेट वर्थ की बात करें, तो ये 22 करोड़ के लगभग है।

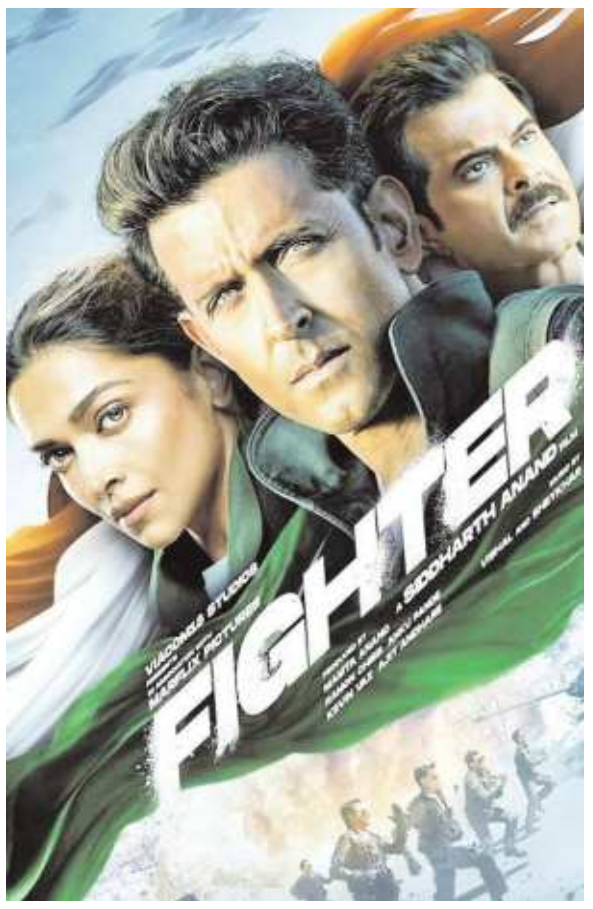

ऋतिक और दीपिका की 'फाइटर' का बन रहा है सीक्वल?

ऋतिक रोशन की सफल फिल्म 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर कई दिनों से खबरें चल रही हैं। अब फिल्म को लेकर बड़ी अपडेट सामने आई है। साल 2024 में आई ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फिल्म 'फाइटर' बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की भी मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब पिछले कुछ वक्त से 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। लेकिन अब 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है।

ऐसे शुरू हुई थीं चर्चाएं

हाल ही में इंस्टाग्राम पर वायरल हुई एक पोस्ट के बाद ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि 'फाइटर' का सीक्वल बन रहा है। इसी साल 'फाइटर 2' की शूटिंग भी शुरू होने की बात कही जाने लगी थी। फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने पोस्ट पर एक बुरी नजर वाला इमोजी भेजकर इस चर्चा को और हवा दी, जिसे कई लोगों ने एक इनडायरेक्ट कंफर्मेशन माना था। लेकिन अब 'फाइटर' के सीक्वल को लेकर जो नई जानकारी सामने आ रही है, वो फैंस को निराश कर सकती है।

नहीं बन रही 'फाइटर 2'

एक नई रिपोर्ट के अनुसार, फाइटर 2 को लेकर चल रही अफवाहों में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। ऋतिक रोशन के करीबी एक सूत्र ने स्पष्ट किया है कि अभिनेता और सिद्धार्थ आनंद के बीच सीक्वल को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। सूत्र ने कथित तौर पर कहा कि ये दावे बेबुनियाद हैं, जिससे पिछले कुछ दिनों से चल रही अटकलों पर विराम लग गया है।

कोपा इटालिया: इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़कर कोमो को 3-2 से हराया, फाइनल में जगह बनाई

एजेंसी

मिलान : इटली की प्रतिष्ठित फुटबॉल प्रतियोगिता कोपा इटालिया में इंटर मिलान ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल के दूसरे चरण में कोमो को 3-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। पहला चरण गोलरहित रहने के बाद खेले गए इस मुकाबले में इंटर ने दो गोल से पिछड़ने के बावजूद जीत दर्ज कर खिताब की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखा है। कोमो के लिए मार्टिन बाटुरीना और कप्तान लुकास दा कुन्हा ने गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद इंटर मिलान की ओर से हाकान चाल्हानोग्लू ने शानदार खेल दिखाते हुए दो गोल किए। उन्होंने पहले जोरदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर टीम की वापसी कराई और फिर 86वें मिनट में हेडर के जरिए बराबरी दिलाई। मैच के 89वें मिनट में पेटार सुचिच ने चाल्हानोग्लू के साथ बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए विजयी गोल दागा। इंटर मिलान अब फाइनल में पहुंच गया है, जो 13 मई को खेला जाएगा। दूसरी सेमीफाइनल में अटलांटा और लाजियो के बीच मुकाबला होना है, जहां पहला चरण 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुआ था। इंटर मिलान इस समय इटली की शीर्ष लीग सीरी ए में भी शीर्ष पर चल रहा है और इस सप्ताहांत खिताब अपने नाम कर सकता है। गौरतलब है कि इंटर ने आखिरी बार 2010 में कोच जोसे मोरिन्हो के नेतृत्व में लीग, कप और चैंपियंस लीग जीतकर ट्रेबल हासिल किया था। इंटर मिलान ने इससे पहले 2023 में अपना आखिरी कोपा इटालिया खिताब जीता था और अब टीम एक बार फिर इतिहास दोहराने के करीब पहुंच गई है।

एनबीए प्लेऑफ्स: विक्टर वेम्बन्यामा को कन्कशन, सैन एंटोनियो स्पर्स को बड़ा झटका

एजेंसी

पोर्टलैंड : नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) प्लेऑफ्स में सैन एंटोनियो स्पर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी विक्टर वेम्बन्यामा को मैच के दौरान सिर में चोट (कन्कशन) लगने के बाद लीग के कन्कशन प्रोटोकॉल में रखा गया है। यह घटना मंगलवार रात पोर्टलैंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले के दौरान हुई, जिसमें सैन एंटोनियो को 106-103 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ वेस्टर्न कॉन्फ्रेंस के पहले दौर की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है। दूसरे क्वार्टर में एक प्रयास के दौरान वेम्बन्यामा गिर पड़े और उनका चेहरा सीधे कोर्ट से टकराया। वह खुद को संभाल नहीं सके और करीब 30 सेकंड तक कोर्ट पर ही लेटे रहे।

इसके बाद मेडिकल टीम ने उनका निरीक्षण किया और उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया।टीम के कोच मिच जॉनसन ने पुष्टि की कि वेम्बन्यामा को कन्कशन हुआ है और अब वह लीग के तय नियमों के तहत रिकवरी प्रक्रिया से गुजरेंगे। नियमों के अनुसार, खिलाड़ी को कम से कम 48 घंटे का आराम करना होता है और इसके बाद विभिन्न मेडिकल जांचों से गुजरना पड़ता है। पूरी तरह फिट घोषित होने के बाद ही वह मैदान पर वापसी कर सकता है। सीरीज का तीसरा मुकाबला शुक्रवार को पोर्टलैंड में खेला जाएगा, लेकिन वेम्बन्यामा के उसमें खेलने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। वेम्बन्यामा इस सीजन में शानदार फॉर्म में रहे हैं। उन्होंने औसतन 25 अंक, 11.5 रिबाउंड और 3.1 ब्लॉक प्रति मैच दर्ज किए। हाल ही में उन्हें डिफेंसिव प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड भी मिला है। उनकी गैरमौजूदगी में ल्यूक कॉर्नेट ने सेंटर की भूमिका निभाई और 10 अंक व 9 रिबाउंड का योगदान दिया। साथी खिलाड़ी डेविन वासेल ने कहा कि टीम को अब एकजुट होकर खेलना होगा और वेम्बन्यामा की कमी को पूरा करने की कोशिश करनी होगी। सैन एंटोनियो स्पर्स 2019 के बाद पहली बार प्लेऑफ्स में पहुंचा है, ऐसे में वेम्बन्यामा की चोट टीम के लिए बड़ा झटका साबित हो सकती है।

तीन बार मरते-मरते बचे अक्षय

एक्टर ने बताया पत्नी ट्विंकल का होता है क्या रिएक्शन?

अक्षय कुमार इन दिनों हालिया रिलीज 'भूत बंगला' को लेकर चर्चाओं में हैं। इस हॉरर-कॉमेडी को लेकर लोगों में जबरदस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। हालांकि, शुरुआती दिनों में अक्षय कुमार की इमेज एक एक्शन हीरो के तौर पर थी। अक्षय अपनी फिल्मों में खुद ही अपने स्टंट करने के लिए जाने जाते थे। अब अक्षय ने स्टंट करते समय अपने साथ हुए उन घटनाक्रमों का जिक्र किया, जब वो मरते-मरते बच गए थे।

शुभांकर मिश्रा के पॉडकास्ट में बात करते हुए अक्षय कुमार ने बताया कि करियर में तीन बार वो स्टंट करते समय मरते-मरते बचे थे। दरअसल, अक्षय कुमार से पूछा गया कि आप इतने खतरनाक-खतरनाक स्टंट करते थे। क्या कभी ऐसा हुआ कि जान पर ही बन आई हो और मरते-मरते बचे हों? इस पर खिलाड़ी कुमार ने कहा कि तीन बार ऐसा हुआ है। एक बार 'सैनिक' की शूटिंग के दौरान हुआ था। जहां एक बिल्डिंग से दूसरी बिल्डिंग में जाते वक्त अक्षय का हाथ थक गया था और बड़ी दुर्घटना होते-होते रह गई।

दूसरी बार इंटरनेशनल खिलाड़ी के दौरान हुआ था, जहां मेरा शरीर बीच से आधा-आधा कट जाता। एक सीन के दौरान एक केटामरीन सामने से आ रही थी और मेरी बोट को उसके सामने से नीचे से निकलना था। उस दौरान ऐसा हो गया था कि अगर चूकता तो मैं पूरा बीच से ही कट जाता। लेकिन कैसे भी करके मैंने खुद को बचा लिया। जबकि तीसरा हादसा 'खिलाड़ी 786' के दौरान हुआ था। जहां मैंने डाइव मारा था और हॉट एयर बलून पर गिरा था। लेकिन तब भी मैं बच गया।

पार्वती कृष्णा फेस योगा के नाम पर हो रहीं ट्रोल

सोशल मीडिया पर पार्वती कृष्णा को कई लोग फॉलो करते हैं, वह बतौर एक्सपर्ट फेस योगा सिखाती हैं। इसी वजह से वह एक विवाद का हिस्सा बन गईं और नेटिजंस द्वारा ट्रोल भी की जा रही हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? और पार्वती कृष्णा का फिल्मी दुनिया से क्या रिश्ता है? पार्वती कृष्णा सोशल मीडिया पर दावा करती हैं कि वह फेस योगा से शॉर्प जॉलाइन बनाने में लोगों की मदद करती हैं। इससे चेहरा काफी हद तक बदल सकता है। लेकिन यह बात कुछ लोगों को हजम नहीं हुई। नेटिजंस ने फेस योगा से चेहरे में बदलाव की बात को नाकार और इसे गुमराह करने जैसा बताया। खासकर एक यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश ने पार्वती कृष्णा के दावों की आलोचना की।

फिल्मों से क्या है पार्वती कृष्णा का कनेक्शन

पार्वती कृष्णा एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हैं। वह मलयालम फिल्मों में अभिनय करती हैं। साल 2014 में 'एंजल' नामक की फिल्म से पार्वती ने अपना करियर शुरू किया। फिल्मों के अलावा टीवी सीरियल भी किए। इसमें 'ईश्वरन साक्षीयायी' और 'रात्री माजा' जैसे सीरियल शामिल हैं।

पार्वती ने दिया ट्रोल्स को जवाब

जब पार्वती कृष्णा की सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग ज्यादा होने लगी तो एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उन्होंने जवाब दिया। इसमें उनका कहना है कि वह एक फेस योगा की एक्सपर्ट हैं, उनके पास सर्टिफिकेट भी है। वह कई लोगों की इस मामले में मदद कर चुकी हैं। ट्रोल करने वालों पर भी पार्वती ने निशाना साधा है, इसमें यूट्यूबर चंद्रशेखर रमेश भी शामिल हैं। पार्वती के इंस्टाग्राम वीडियो पर कुछ लोगों ने उन्हें सपोर्ट भी किया है।

ट्रंप बोले, बढ़ा रहा हूं संघर्ष विराम, करूंगा ईरान के साझा प्रस्ताव का इंतजार

पाकिस्तान में बातचीत की मेज सूनी, लेबनान-इजराइल करीब आए

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान/इस्लामाबाद : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बार ईरान के साथ अनपेक्षित संघर्ष विराम (युद्ध विराम/सीज फायर) का एलान किया है। वह चाहते हैं कि ईरान एक बार फिर बातचीत की मेज पर लौटे। इस्लामाबाद में शांति वार्ता के लिए कुर्सी और मेज सजा चुके पाकिस्तान को ट्रंप के ताजा रुख से ईरान के भी नरम पड़ने की उम्मीद है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को घोषणा की कि वह ईरान के साथ संघर्ष विराम को तब तक के लिए बढ़ा रहे हैं जब तक कि उनके नेता और प्रतिनिधि कोई एक साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आ जाते। उनके इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि बहुत हो गया। वह अब संघर्ष विराम की समय सीमा को आगे नहीं बढ़ाएंगे। इसके उलट लेबनान और इजराइल के बीच शांति और सुलह की बड़ी उम्मीद जगी है। दोनों गुरुवार को बातचीत की मेज पर बैठने वाले है। सीबीएस न्यूज और अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए एक बेहतरीन समझौता हो जाएगा। उन्होंने तर्क दिया कि तेहरान के पास शांति वार्ता के एक नए दौर में शामिल होने के अलावा कोई और विकल्प नहीं है, भले ही वहां की सरकार यह कह रही है कि इस हफ्ते पाकिस्तान में होने वाली बातचीत में शामिल होने की उसकी कोई योजना नहीं है। ट्रंप ने

यह भी कहा कि अगर अमेरिका नाकाबंदी खत्म कर देता है, तो ईरान के साथ कभी कोई समझौता नहीं हो सकता। राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि ईरान सचमुच नहीं चाहता कि होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो। अमेरिका ने उसे बंद कर दिया है, इसलिए वह अपनी इज्जत बचाने के लिए बेवजह की बात कर रहा है। उन्होंने कहा, चार दिन पहले कुछ लोग मेरे पास आए और कहा ईरान चाहता है अमेरिका तुरंत होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल दे। मैंने कहा कि अगर ऐसा कर दूंगा तो ईरान के साथ कभी कोई समझौता नहीं हो सकता, जब तक कि हम उनके बाकी देश को और उनके नेताओं को उड़ा न दें। इस बीच अमेरिकी विदेश विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि अमेरिका गुरुवार को वाशिंगटन में इजराइल और लेबनान के बीच राजदूतस्तरीय वार्ता के दूसरे दौर की मेजबानी करेगा। अधिकारी ने कहा, ₹हम दोनों सरकारों के बीच सीधी और सद्भावनापूर्ण चर्चा को सुविधाजनक बनाना जारी रखेंगे।₹ दोनों देशों के बीच होने वाली बातचीत में अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रूबियो, इजराइल में अमेरिकी राजदूत माइक हकाबी, अमेरिका में इजराइली राजदूत येचिएल लीटर, लेबनान में अमेरिकी राजदूत मिशेल इस्सा, अमेरिका में लेबनानी राजदूत नाडा हमादेह और विदेश विभाग के काउंसलर माइक नीधम शामिल हो सकते हैं। वार्ता का पहला दौर 14 अप्रैल को हुआ था। इसमें इजराइल और लेबनान के बीच 10 दिवसीय संघर्ष विराम समझौता हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति के रुख में आए बदलाव के बीच यूएस सेंट्रल कमांड का कहना है कि संघर्ष विराम के दौरान भी सेना की सभी शाखाएं युद्ध के लिए तैयार हैं। कमांड की एक वीडियो क्लिप में लड़ाकू विमान, जहाज और अमेरिकी सैनिक दिखाई दे रहे हैं। साथ ही कमांडर एडमिरल ब्रैड कूपर रक्षा सचिव पीट हेगसेथ के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में भी नजर आ रहे हैं। कूपर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ₹हम फिर से हथियार जुटा रहे हैं। हम खुद को नए सिरे से तैयार कर रहे हैं और अपनी रणनीति और तकनीक में बदलाव कर रहे हैं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर प्लास्टिक कचरे से पृथ्वी और गंगा को बचाने का दिया संदेश

नमामि गंगे की अपील, सिंगल-यूज प्लास्टिक को कहें ना

एजेंसी

वाराणसी : विश्व पृथ्वी दिवस पर बुधवार को उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी वाराणसी में नमामि गंगे ने श्री काशी विश्वनाथ धाम के गंगा द्वार पर कपड़े के झोले का वितरण करने के साथ प्लास्टिक कचरे से पृथ्वी और गंगा को बचाने का संदेश भी दिया। नमामि गंगे के स्वयंसेवकों ने सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने, गंगा को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जनमानस से व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेने का आह्वान किया। लोगों से अपील की गई कि हम पृथ्वी के संरक्षण के लिए जीवनशैली में बदलाव लाएं, सिंगल-यूज प्लास्टिक को कहें ₹नार और जूट या कपड़े के थैलों को कहें हाँ विश्व को प्लास्टिक कचरे से बचाने के लिए की गई जागरूकता के दौरान इटली से पधारे पर्यटकों ने भी अभियान में हिस्सा लिया। जागरूकता के दौरान घाटों पर प्लास्टिक और अन्य कूड़े को साफ कर पॉलीथिन मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर गंगा सेवक राजेश शुक्ला ने कहा कि पृथ्वी को संरक्षित करने के लिए प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्त एक 'स्वच्छ और निर्मल' भविष्य जरूरी है। गंगा सिर्फ नदी नहीं, हमारी आत्मा है, जिसे प्लास्टिक और रसायनों से बचाना अनिवार्य है।गंगा को स्वच्छ रखना सामूहिक जिम्मेदारी है। गंगा के किनारे रहने वाले लोगों और श्रद्धालुओं को प्लास्टिक व अन्य कचरा न फैलाने का संदेश वर्तमान परिवेश में न केवल अनिवार्य है बल्कि अपरिहार्य है। जागरूकता के दौरान प्रमुख रूप से महानगर प्रभारी पुष्पलता वर्मा, शिखा तिवारी, शगुन तिवारी सहित नमामि गंगे के स्वयंसेवक शामिल रहे।

ईडी के समन पर सीजीओ कांप्लेक्स पहुंचीं पूर्व तृणमूल सांसद व अभिनेत्री नुसरत जहां

कोलकाता: तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद और बांग्ला फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री नुसरत जहां बुधवार को कोलकाता में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में पेश हुईं। ईडी ने उन्हें फ्लैट धोखाधड़ी मामले में तलब किया था। बुधवार सुबह नुसरत जहां साल्ट लेक के सी. जी. ओ. परिसर स्थित ईडी कार्यालय पहुंची। इस दौरान उनके साथ अभिनेता यश दासगुप्ता भी मौजूद थे। अभिनेत्री सी. जी. ओ. परिसर में पहले से मौजूद मीडिया के सवालों से बचती नजर आई। वह कार से उतर कर यश के साथ सीधे ईडी कार्यालय के अंदर चली गयी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईडी ने 2023 में एक फ्लैट धोखाधड़ी मामले में नुसरत से पूछताछ की थी। उस वक्त जांचकताओं ने अभिनेत्री से लगभग छः घंटे तक पूछताछ की थी। इससे पहले अभिनेत्री नुसरत ने अपने खिलाफ लगाए गए आरोपों का खंडन किया था। अब एक बार फिर उन्हें पूछताछ के लिए केंद्रीय एजेंसी के कार्यालय में तलब किया गया है।

पंच परिवर्तन के संकल्प को सेवा बस्ती के हर घर तक ले जाएं : डॉ. शैलेन्द्र

एजेंसी

हरिद्वार : सेवा भारती, हरिद्वार का वार्षिकोत्सव ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज के ऑडिटोरियम में बुधवार को संपन्न हुआ। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचारक डॉ.शैलेन्द्र, कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट संजय जैन दीप प्रज्ज्वलन, भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण तथा सेवा बस्ती के बच्चों के स्वागत गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। प्रांत प्रचारक डॉ.शैलेन्द्र ने अपने उद्बोधन में संघ के शताब्दी वर्ष और सेवा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सेवा भारती केवल एक संगठन नहीं, भारत के सनातन मूल्यों की जीवंत अभिव्यक्ति है। हमारा शास्त्र कहता है 'सर्वे भवन्तु सुखिनः। यही भाव लेकर डॉ. हेडगेवार जी ने 1925 में संघ का बीजारोपण किया था। आज 100 वर्ष बाद वह वटवृक्ष बन चुका है। उन्होंने कहा सेवा का अर्थ केवल अभावग्रस्त को कुछ दे देना नहीं है। सच्ची सेवा वह है जो लेने वाले को देने वाला बना दे। आप संस्कार केंद्रों में जो बच्चे पढ़ रहे

हैं, कल वे ही समाज के नेतृत्वकर्ता बनेंगे। यही सेवा से समरसता और समरसता से संगठन का मार्ग है। उन्होंने संघ शताब्दी वर्ष में दिए गए पंच परिवर्तन के मंत्र को समाज से संकल्प के रूप में अपनाने की बात कहते हुए पंच परिवर्तन के सूत्रों सामाजिक समरसता,पर्यावरण संरक्षण,कुटुंब प्रबोधन,स्व का बोध तथा नागरिक कर्तव्यों की विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा सेवा भारती के कार्यकर्ता इन पांच बिंदुओं को सेवा बस्ती के हर घर तक ले जाएं। शताब्दी वर्ष में एक भी बस्ती ऐसी न बचे जहां सेवा कार्य न पहुंचा हो। जिला मंत्री श्रीमती सरिता सिंह ने वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए बताया कि हरिद्वार जिले की 34 सेवा बस्तियों में सेवा भारती द्वारा 38 प्रकल्प संचालित किए जा रहे हैं। इनमें 22 संस्कार केंद्र, 19 सिलाई प्रशिक्षण एवं कमप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र, 6 सामाजिक कार्य,चलित चिकित्सालय द्वारा 11 सेवा बस्तियों में स्वास्थ्य सेवा कार्य, एक चिकित्सा केंद्र तथा 2 योग व आत्मरक्षा प्रशिक्षण सम्मिलित हैं। गत वर्ष 1,350 बच्चों को निशुल्क शिक्षा सामग्री वितरित की गई। 420 महिलाओं को सिलाई एवं ब्यूटीशियन प्रशिक्षण देकर स्वावलंबी बनाया गया। 76 निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 8,600 से अधिक रोगियों को लाभ पहुंचाया गया।

स्कूल बस को ट्रक ने मारी टक्कर, 10 बच्चे घायल, पांच की हालत गंभीर

एजेंसी

बाड़मेर : जिले में बुधवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया, जहां नेशनल हाईवे-25 पर बच्चों को स्कूल ले जा रही बस को पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक बस को करीब 50 फीट तक घसीटता हुआ ले गया, जिससे बस का पिछला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया। हादसा बायतु पेट्रोल पंप के पास सुबह करीब आठ बजे हुआ।

घटना के बाद मौके पर बच्चों में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मदद के लिए पहुंचे। बायतु थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल की बस में कुल 36 बच्चे सवार थे। बस बच्चों को घरों से लेकर स्कूल जा रही थी, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी।

टक्कर के बाद बस का पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया

और कई बच्चे अंदर फंस गए। उन्हें बाहर निकालने के लिए जेसीबी मशीन की मदद से बस का हिस्सा तोड़ा गया। स्थानीय लोगों ने भी राहत कार्य में सक्रिय सहयोग दिया। हादसे में 10 बच्चे घायल हो गए। सभी घायलों को तुरंत बायतु अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद पांच बच्चों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बालोतरा के नाहटा अस्पताल रेफर किया गया। बाकी बच्चों का इलाज स्थानीय अस्पताल में जारी है। पुलिस के अनुसार घायल बच्चों को सिर, हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। कुछ बच्चों के दांत टूटने और फ्रैक्चर होने की भी जानकारी सामने आई है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

ट्रक में गुड़ भरा हुआ बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही बाड़मेर एसपी चूनाराम जाट मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है और पूरे मामले की जांच जारी है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा, वहीं परिजनों में भी बच्चों की हालत को लेकर चिंता बनी हुई है।

मुख्यमंत्री ने शालीमार बाग में वॉटर एटीएम का किया उद्घाटन

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को शालीमार बाग विधानसभा के एयू ब्लॉक, सोम बाजार रोड, एए झुग्गी और सीए ब्लॉक में नए वॉटर एटीएम का उद्घाटन किया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने यहां के नागरिकों को वॉटर एटीएम कार्ड भी वितरित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक 5-स्टेज आरओ तकनीक से सुसज्जित ये वॉटर एटीएम हर घंटे 2000 लीटर शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराएंगे। यह लोगों को साफ, सुरक्षित और आसान तरीके से पीने का पानी उपलब्ध कराएंगे। उन्होंने कहा कि जल आपूर्ति को और मजबूत बनाने तथा हर घर तक साफ पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने 9,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। यह विकसित दिल्ली के निर्माण की मजबूत नींव है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले एक साल से प्रतिदिन दिल्ली की जनता को किसी न किसी रूप में नया उपहार मिल रहा है। उन्होंने कहा कि देश भीषण गर्मी के दौर से गुजर रहा है और पानी की कमी के कारण लोग परेशान थे उसके समाधान के लिए हमने दिल्ली में ये नया वॉटर एटीएम शुरू किया है। इस तरह का वॉटर एटीएम कार्ड हम हर झुग्गी परिवार को दे रहे हैं। इससे वो 20 लीटर पानी रोजाना अपने घर लेकर जा सकते हैं।

सपा के राज में गाँव में मिलती थी सिर्फ पांच घंटे बिजली : ओमप्रकाश राजभर

एजेंसी

लखनऊ : सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष व प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि सपा अध्यक्ष अध्यक्ष अखिलेश यादव वोट के लिए प्रदेश की जनता को गुमराह कर धोखा देने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश राज में गांवों में सिर्फ पांच घंटे बिजली मिलती थी। शहर में 10 घंटे बिजली आती थी"। 24 घंटे बिजली सिर्फ ह्यरामपुर, इटावा और मैनपुरी को मिलती थी। सपा सरकार बनने पर 300 यूनिट बिजली फ्री देने की अखिलेश यादव की घोषणा पर ओम प्रकाश राजभर ने बुधवार को लखनऊ में मीडिया से बात करते हुए कहा कि किस मुंह से वह 300 यूनिट बिजली देने की बात कह रहे हैं। पहले वह अपने कार्यकाल को याद कर लें, जब उनकी सरकार थी तो ट्रांसफर जल जाते थे। गांव के लोग चंदा लगाकर पैसे देते थे तो ट्रांसफार्मर बनता था। आज वह स्थिति नहीं है। योगी सरकार में 24 घंटे के अंदर ट्रांसफर बदले जा रहे हैं। जनता का एक रुपए नहीं लग रहा है। आज गांव में बिजली 18 घंटे बिजली मिल रही है। 20 घंटे तहसील में व 24 घंटे जिला मुख्यालयों में बिजली मिल रही है। राजभर ने कहा कि जो बोल रहे हैं, वह छलावा है, धोखा है, समाज को गुमराह कर वोट लेने की साजिश है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कहा कि प्रधानमी की सोच थी कि 2029 में हम महिलाओं को आरक्षण देकर देश की मुख्य धारा में लाएंगे। विपक्ष ने बिल के विरोध में वोट किया और पास नहीं हो सका। जब देश में लोकसभा की 543 सीटें बनीं तो उस समय 68 करोड़ आबादी थी। आज देश की आबादी 140 करोड़ है। 2011 की जनगणना के हिसाब से सीटें बढ़ाई जा रही थी। यह बात विपक्ष को जमी नहीं।

बंगाल चुनाव: योगी आदित्यनाथ ने ममता सरकार पर साधा निशाना

एजेंसी

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव-2026 के प्रचार अभियान के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कोलकाता में ताबड़तोड़ जनसभाएं कर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जोरदार हमला बोला। जोरासांको और बड़ा बाजार क्षेत्र में आयोजित सभाओं में उन्होंने कानून व्यवस्था, बेरोजगारी, उद्योग, सांस्कृतिक पहचान और गौ संरक्षण जैसे मुद्दों को उठाते हुए राज्य में बदलाव का आह्वान किया। जोरासांको के सत्यनारायण पार्क में आयोजित

सभा को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता का उत्साह इस बात का संकेत है कि लोग अब बंगाल की संस्कृति और विरासत को बचाने के लिए परिवर्तन चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह भूमि स्वतंत्रता आंदोलन की प्रेरणास्थली रही है और आज भी जनशक्ति को दिशा देती है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में बेरोजगारी बढ़ी है, कई उद्योग बंद हुए हैं और किसानों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर कम हुए हैं और जनता अब बेहतर शासन की अपेक्षा कर रही है। उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद वहां कानून व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है और अपराध व माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है, जिससे शांति और व्यवस्था स्थापित हुई है। सांस्कृतिक मुद्दों पर बोलते हुए योगी आदित्यनाथ ने बंगाल की पहचान का उल्लेख किया और मां काली व स्थानीय परंपराओं की रक्षा को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि राज्य की सांस्कृतिक विरासत को बचाना सभी की जिम्मेदारी है।सभा के दौरान उन्होंने गौ संरक्षण का मुद्दा भी उठाया और आरोप लगाया कि बंगाल में गौ हत्या हो रही है, जबकि उत्तर प्रदेश में इसे रोकने के लिए कड़े कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, ह्लना गौ माता को कटने देंगे, ना हिंदुओं को बंटने देंगे। मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नारे पर भी निशाना साधते हुए कहा, ह्लवे कहती हैं ह्यखेला होबेह्ल, लेकिन हम कहने आए हैं ह्यएबार खेला शेष, उन्नयन शुरूह्ल। बड़ा बाजार के सत्यनारायण पार्क में उत्तर कोलकाता की विभिन्न विधानसभा सीटों के प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में योगी ने दावा किया कि पहले चरण में भाजपा 80 प्रतिशत सीटें जीत रही है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब ह्लउपद्रव नहीं, उत्सवह्ल का माहौल है और माफिया राज समाप्त हो चुका है। यदि कोई अपराधी सिर उठाता है, तो सरकार उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है।

अंत में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनता की शक्ति से ही वास्तविक बदलाव संभव है। उन्होंने लोगों से लोकतांत्रिक तरीके से मतदान कर परिवर्तन लाने और पश्चिम बंगाल के उज्ज्वल भविष्य के लिए एकजुट होने की अपील की।

न्यूज IN ब्रीफ

किशनगंज में विवाह समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग का वीडियो वायरल, एक गिरफ्तार

किशनगंज : जिले के पौआखाली थाना क्षेत्र में एक विवाह समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। वायरल वीडियो में नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अहमद हुसैन उर्फ लल्लू को खुलेआम राइफल से फायरिंग करते हुए देखा जा रहा है, जबकि आसपास मौजूद लोग समारोह का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से फैलने के बाद पौआखाली थाना पुलिस ने मामले का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू कर दी। वायरल वीडियो के आधार पर पौआखाली थाना में कांड संख्या 59/2026 दर्ज किया गया है। थाना अध्यक्ष अंकित कुमार सिंह ने बताया कि हर्ष फायरिंग पूरी तरह गैरकानूनी है और इससे लोगों की जान को खतरा हो सकता है। ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वीडियो की सत्यता की जांच के बाद आरोपियों की पहचान कर कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस टीम ने मंगलवार देर रात मुख्य आरोपी अहमद हुसैन उर्फ लल्लू के आवास पर छापेमारी की, लेकिन वह फरार मिला। वहीं, वीडियो में दिख रहे दूसरे व्यक्ति की पहचान वार्ड संख्या 7 के पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद हनीफ के रूप में की गई, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित से पूछताछ जारी है तथा अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना सामने आने के बाद इलाके में चर्चा का माहौल गर्म है। वहीं, कानून उल्लंघन के इस मामले में पुलिस की त्वरित कार्रवाई की स्थानीय लोगों और बुद्धिजीवियों ने सराहना की है।हिन्दुस्थान समाचार/धर्मेन्द्र सिंह

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले की बरसी पर पीड़ितों को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली : जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पिछले साल हुए आतंकी हमले की बरसी पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह ने बुधवार को एक्स पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने पहलगाम हमले को ह्लकायरतापूर्ण और क्रूर कृत्यह्ल बताते हुए कहा कि इसमें खोए गए जीवन हमारी सामूहिक स्मृति में हमेशा जीवित रहेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कृत्य शांति, एकता और मानवता के मूल्यों को कमजोर नहीं कर सकते। हम आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से मुकाबला करने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संदेश में पिछले वर्ष इसी दिन पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने पीड़ितों को याद करते हुए कहा कि उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उन्होंने इस दुख की घड़ी में उनके परिवारों के साथ खड़े रहने की राष्ट्र की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि देश दुख की इस घड़ी में एकजुट है और आतंकवाद के खिलाफ उसका दृढ़ संकल्प अटूट है। उन्होंने दोहराया कि देश आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और आतंकवादियों के नापाक मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में, हम शोक और दृढ़ संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकवादियों के घिनौने मंसूबे कभी सफल नहीं होंगे। केंद्रीय गृह और सहकारितामंत्री अमित शाह ने कहा कि इस हमले का दर्द आज भी हर भारतीय के दिल में बसा हुआ है। उन्होंने आतंकवाद को ह्लमानवता का सबसे बड़ा शत्रुह्ल बताते हुए कहा कि इसके खिलाफ देश को एकजुट होकर लड़ना होगा। शाह ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत आतंकवाद और उसे समर्थन देने वालों के खिलाफ अपनी शून्य-सहिष्णुता नीति जारी रखेगा। उल्लेखनीय है कि 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम की बेसरन घाटी में लश्कर-ए-तैयबा एवं टीआरएफ के आतंकियों ने पर्यटकों पर सुनियोजित हमला कर 26 लोगों की जान ले ली थी। यह हमला धर्म के आधार पर निशाना बनाकर, सांप्रदायिक अशांति फैलाने के लिए किया गया।

तमिलनाडु के कृष्णागिरी में कार-बस की टक्कर में 3 लोगों की मौत, एक की हालत गंभीर

कृष्णागिरी : तमिलनाडु के कृष्णागिरी जिले में बुधवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में तीन लोगों की जान चली गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना होसुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर उस समय हुई, जब एक कार और ओम्नी बस की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार बेंगलुरु से धर्मपुरी की ओर जा रही थी, जिसमें चार लोग सवार थे। सानामावु क्षेत्र के पास पहुंचने पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिसके बाद कार सामने से आ रही ओम्नी बस से टकरा गई। बस उलुंदूरपेट से यात्रियों को लेकर बेंगलुरु जा रही थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग बुरी तरह फंस गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और घायल लोग मदद के लिए पुकारते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल घटनास्थल पर पहुंचे और फंसे लोगों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक अन्य घायल की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है। मृतकों की पहचान धर्मपुरी जिले के सिकारा अल्ली गांव के वीरमणि, प्रताप और मारी के रूप में हुई है। वहीं घायल सतीश कुमार का उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सभी लोग बेंगलुरु से अपने गांव मतदान करने के लिए लौट रहे थे। तभी पोननगरम की ओर जाते समय यह हादसा हुआ। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

रायपुर के महादेव घाट में मिला अज्ञात महिला का शव, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर : राजधानी रायपुर के महादेव घाट में आज बुधवार को एक अज्ञात महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। स्थानीय लोगों द्वारा दी गई सूचना के बाद पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है । पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार डीडी नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेव घाट पर आज एक आज्ञात महिला का शव मिला है। प्रारंभिक जांच में महिला के सिर पर चोट के निशान पाए गए हैं, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है, फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों की जांच कर रही है। साथ ही, घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

इस्पात मंत्रालय स्टील क्षेत्र पर 27 अप्रैल को करेगा खुली चर्चा, पंजीकरण शुरू

नई दिल्ली : पश्चिम एशिया संकट के बीच केंद्र सरकार स्टील के महत्त्व से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 27 अप्रैल को एक खुले मंच का आयोजन करेगी। वैश्विक तनाव के बीच इस सेक्टर के सामने बढ़ रही चुनौतियों को देखते हुए इस बैठक को अहम माना जा रहा है। इस्पात मंत्रालय के मुताबिक यह बैठक सुबह 11:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक चलेगी। मंत्रालय ने कहा कि लॉजिस्टिक चुनौतियों के कारण वॉक-इन भागीदारी की अनुमति नहीं होगी और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रति संगठन केवल एक प्रतिनिधि ही हिस्सा ले सकेगा। मंत्रालय की ओर से यह परामर्श दिया गया है कि इस्पात आयात के लिए एस.आई.एम.एस., सरल एस.आई.एम.एस. या क्यू.सी.ओ. छूट से संबंधित समस्याओं का सामना करने वाली कंपनियां या एसोसिएशन्स शुक्रवार को दोपहर 3 बजे तक अपने अनुरोध को tech-steel@nic.in ई-मेल पर ही भेजें, ताकि उन्हें निश्चित समय स्लॉट प्राप्त हो सकें।

हरियाणा विस का एक दिवसीय सत्र 27 अप्रैल को

चंडीगढ़ : हरियाणा विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र 27 अप्रैल को बुलाया जाएगा। इस सत्र के दौरान प्रशासनिक व राजनीतिक मुद्दे पर भी चर्चा की जाएगी। सरकार की तरफ से राजनीतिक एजेंडे का अधिकारिक रूप से ऐलान नहीं किया गया है। यह फैसला मुख्यमंत्री नायब सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को गुरुग्राम में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने 16 और 17 अप्रैल को संसद में हुई घटनाओं का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं ने रदेश के सामने विपक्षी दलों का असली चेहरा बेनकाब कर दिया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने खुद को महिला-विरोधी और सत्ता का भूखा साबित कर दिया है। इन दिनों को देश के इतिहास में एक 'काला अध्याय' के तौर पर याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, विपक्षी दलों ने ऐतिहासिक रूप से महिलाओं को महज एक 'वोट बैंक' के तौर पर इस्तेमाल किया है ।

न्यूज IN ब्रीफ

महानगर कांग्रेस ने की साफ-सफाई

रांची : आज पृथ्वी दिवस, 2026 के उपलक्ष्य में रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के द्वारा टैगोर हिल पार्क, मोराबादी में सफाई तथा पौधारोपण अभियान चलाया गया। 22 अप्रैल को प्रतिवर्ष मनाया जाने वाला पृथ्वी दिवस पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने, सतत विकास को बढ़ावा देने और जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और वनों की कटाई के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए महत्वपूर्ण है। इस अवसर पर रांची महानगर से प्रियंका जायसवाल, अर्चना मिर्धा, प्रीति सांघा, इंद्राणी तिर्की, विक्की करमाली, विजय सिंह, अशोक मुंडा, मिथलेश कुमार उपस्थित थे।

टाटा स्टील यूआईएसएल के पब्लिक हेल्थ सेंटर में ठेका कर्मी ने लगाई फांसी

जमशेदपुर : बिष्टुपुर थाना अंतर्गत नॉर्दन टाउन स्थित टाटा स्टील यूआईएसएल के पब्लिक हेल्थ सेंटर में बुधवार सुबह 11.30 बजे ठेका कर्मी मेघा मुखी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मेघा का शव हेल्थ सेंटर के गोदाम में फंदे से लटका पाया गया। सुबह कर्मचारियों ने शव देख और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को फंदे से उतारा। मेघा मुखी हेल्थ सेंटर में फॉगिंग का काम करता था। जानकारी के अनुसार वह 11 बजे कार्यालय पहुंचा था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बार संघ कर्मचारी के निधन से कोर्ट में दूसरी पाली में नहीं हुआ न्यायिक कार्य

जमशेदपुर : जिला बार संघ के कर्मचारी सुशांत नामता उर्फ भोंदू के निधन पर अधिवक्ताओं ने शोक जताया और बुधवार को दूसरी पाली में खुद को न्यायिक कार्य से दूर रखा। बताया जाता है कि सुशांत नामता की मंगलवार को इलाज के दौरान रांची रिम्स में मौत हुई थी। परिजनों ने बुधवार को अंतिम संस्कार भी कर दिया लेकिन बार संघ कार्यालय के 50 वर्ष पुराने कर्मचारी के निधन से अपने को दूसरी पाली में न्यायिक कार्य से अलग रखा। अधिवक्ता अक्षय कुमार झा ने बताया कि सुशांत नामता मृदभाषी और बार संघ के कार्यों में दक्ष थे।

बड़े शहरों में गैस की किल्लत, ट्रेनों में भर-भर कर लौट रहे मजदूर

धनबाद : भीषण गर्मी के बावजूद ट्रेनों में भर-भर कर प्रवासी मजदूर बड़े महानगरों और शहरों से वापस धनबाद लौट रहे हैं। मंगलवार की सुबह धनबाद स्टेशनों पर मजदूरों की भीड़ को देख कर कोरोना काल की यादें ताजा हो गईं। सुबह करीब 11 बजे धनबाद पहुंची डाउन एलेप्पी एक्सप्रेस और अजमेर से आई ट्रेन से उतरे मजदूरों में ज्यादातर ऐसे थे, जो रसोई गैस की किल्लत की वजह से काम छोड़ कर अपने घर लौट आए। गुजरात के गांधीधाम से लौटे कई मजदूरों ने बताया कि रसोई गैस की किल्लत के कारण कई दिनों से वे लोग लकड़ी जला कर खाना पकाने को मजबूर थे। दो वक्त का खाना एक बार ही बना लेते थे। केरल से आए मजदूरों ने बताया कि वे लोग ब्लैक से ऊंची कीमतों पर रसोई गैस खरीद कर अपना गुजारा करने को विवश थे। रसोई गैस के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनाव और वैवाहिक लग्न के कारण भी धनबाद आने वाली लंबी दूरी की ट्रेनों में भारी भीड़ उमड़ रही है। जनरल बोगियों में भीषण गर्मी का सामने करते हुए मजदूर अपने घर लौट रहे हैं।---रेलवे चला रहा रिकॉर्ड तोड़ स्पेशल ट्रेनअभी गर्मी की छुट्टियां शुरू भी नहीं हुई हैं। इसके बावजूद रेलवे ने स्पेशल ट्रेनों की झड़ी लगा दी है। बड़े-बड़े महानगरों से धनबाद होते हुए बंगाल के स्टेशनों के लिए हर दिन स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो रही है। जानकारों ने बताया कि इससे पहले इतनी ज्यादा ट्रेनें कभी नहीं चलीं। बंगाल के साथ-साथ धनबाद होकर दक्षिण भारत से बिहार के लिए भी लगातार ट्रेनें चलाई जा रही हैं। सभी ट्रेनों को यात्रियों के जरूरत के अनुसार एक, दो या तीन ट्रिप ही चलाया जा रहा है। यानी इन ट्रेनों का लाभ गर्मी की छुट्टियों में यात्रियों को नहीं मिलेगा।

आटा और वाशिंग पाउडर से भरा ट्रक पलटा, बीच में भरा मिला शराब

दुमका : जिला के सरैयाहाट थाना क्षेत्र में एक ट्रक पलट गया। लोगों ने देखा कि ट्रक में आटा और वाशिंग पाउडर की बोरियां हैं। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। साथ ही पुलिस भी पहुंची।

इसी बीच दो ट्रक के दो-तीन लेयर नीचे की बोरियों पर जब लोगों की नजर पड़ी तो उनकी आंखें फटी की फटी रह गईं। क्योंकि उसमें भारी मात्रा में शराब भरी हुई थी। इस बीच मौका पाकर ट्रक चालक भाग निकला पर एक युवक जो वाहन का सहचालक था, वह पकड़ा गया। जिसने बताया कि अवैध शराब को ओडिशा से बिहार के मोतिहारी ले जाया जा रहा था।

दुमका जिले के सरैयाहाट थाना के जमुनिया गांव के निकट एक ट्रक पलटने के बाद जो नजारा सामने आया, उसे देखकर आसपास के ग्रामीणों के साथ पुलिस भी हैरान रह गई। उसमें आटा और वाशिंग पाउडर के बोरियों के नीचे भारी मात्रा में शराब की बोरियां थी। जिसे ओडिशा से बिहार के मोतिहारी ले जाया जा रहा था। इनमें काफी बोतलें सड़क पर भी बिखर गईं।

हादसे के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल कई ट्रैक्टरों और मजदूरों को बुलाया और बिखरी शराब की बोतलों को एकत्रित कर थाना भेजा। वैसे ट्रक पलटने के साथ ही चालक भाग निकला जबकि उसका सह चालक (खलासी) शमशेर सिंह, जो महाराष्ट्र के नांदेड़ के रहने वाला है, उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

घटनास्थल से बरामद शराब को थाना पहुंचाने के लिए करीब 13 ट्रैक्टरों की मदद ली गई। जब्त शराब की कीमत का अंदाजा लगाया जा रहा है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है। वहीं फरार चालक की भी तलाश जारी है।

इस पूरे मामले पर दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने बताया कि और अनियंत्रित ट्रक के पलटने के बाद उससे भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त किया गया है। ट्रक से एक नशे में धुत्त एक युवक को पकड़ा गया है जो महाराष्ट्र करने वाला है। प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि शराब ओडिशा से बिहार के मोतिहारी ले जाया जा रहा था। उससे संबंधित कोई सटीक पेपर है या नहीं, इसकी जांच हो रही है। कुल मिलकर सारे बिंदुओं पर तहकीकात की जा रही है।

चतरा में पेयजल संकट पर बड़ा एक्शन

154 पंचायतों में विशेष पखवाड़ा शुरू

24 अप्रैल से 11 मई तक चलेगा अभियान, हर पंचायत में ऑन-स्पॉट समाधान का निर्देश

संवाददाता

चतरा। आसन्न ग्रीष्म ऋतु में संभावित पेयजल संकट को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त रवि आनंद के निदेर्शानुसार चतरा जिला प्रशासन द्वारा दिनांक 24 अप्रैल 2026 से 11 मई 2026 तक जिले के सभी 154 पंचायतों में पेयजल समस्या निवारण पखवाड़ा संचालित किया जा रहा है।

यह अभियान केवल पेयजल समस्या के समाधान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पंचायत स्तर पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कौशल विकास, आजीविका, कृषि, पशुपालन एवं आधारभूत संरचना से जुड़े समग्र विकास को भी गति देगा। उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि हर पंचायत में ठोस एवं स्थायी परिणाम सुनिश्चित किए जाएंगे।

डीसी का फोकस : फील्ड आधारित कार्रवाई, हर पंचायत में सघन निरीक्षण

उपायुक्त श्री रवि आनंद के निदेर्शानुसार जिले के वरीय पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों एवं तकनीकी कर्मियों को सम्मिलित करते हुए विशेष संयुक्त जांच दलों का गठन किया गया है।ये दल पंचायतों में पहुंचकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों के साथ बैठक करेंगे, पेयजल संकटग्रस्त बसावटों का भौतिक सत्यापन करेंगे तथा समस्याओं का ऑन-स्पॉट समाधान सुनिश्चित करेंगे। प्रत्येक प्रखंड में प्रखंड विकास पदाधिकारी को जांच दल का नोडल पदाधिकारी बनाया गया है।

पूर्व तैयारी पर सख्ती : खराब जलस्रोतों की वार्डवार सूची अनिवार्य

उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे निरीक्षण से पूर्व अपने क्षेत्र में पूर्णतः अकार्यरत चापाकलों, ग्रीष्मकाल में सूखने वाले कुओं एवं बंद पड़ी जलमीनारों की वार्डवार त्रुटिहीन सूची तैयार करें। यह सूची निरीक्षण के दिन पंचायत भवन में जांच दल को उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे बिना विलंब के स्थलीय सत्यापन एवं सुधारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

त्वरित समाधान का स्पष्ट निर्देश : 24 घंटे में काम शुरू, 48 घंटे में मरम्मत

उपायुक्त के निदेर्शानुसार पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, चतरा के कार्यपालक अभियंता को ह्लविशेष तकनीकी नोडल पदाधिकारी (फ्लाइंग स्क्वाड)ह्व के रूप में नामित किया गया है। वे प्रतिदिन अति संवेदनशील पंचायतों का औचक निरीक्षण करेंगे तथा वृहद मरम्मत अथवा डीप बोरिंग के प्राक्कलनों को उसी दिन स्वीकृत कर 24 घंटे के भीतर कार्य प्रारंभ कराएंगे। बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत 48 घंटे के भीतर सुनिश्चित की जाएगी।

डिजिटल मॉनिटरिंग : चतरा वाटर टास्क फोर्स के माध्यम से सख्त अनुश्रवण

अभियान की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर चतरा वाटर टास्क फोर्स व्हाट्सएप ग्रुप का गठन किया गया है। प्रत्येक निरीक्षण के उपरांत कार्यवाही पंजी

संधारित करते हुए जियो-टैग तस्वीरें एवं रिपोर्ट प्रतिदिन शाम 5 बजे तक अपलोड करना अनिवार्य किया गया है। उपायुक्त स्वयं इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी करेंगे, जिससे कार्यों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

जनभागीदारी से विकास : ग्राम सभा के माध्यम से योजनाओं का चयन

उपायुक्त ने निर्देश दिया है कि सभी पंचायतों में आवश्यकता आधारित योजनाओं का चयन ग्राम सभा के माध्यम से किया जाए।इसके अंतर्गत पेयजल, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, कौशल विकास, कृषि, पशुपालन, सिंचाई एवं आधारभूत संरचना से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकास कार्य सुनिश्चित हो सके।

कंट्रोल रूम की स्थापना : आमजनों के लिए सीधी सुविधा

उपायुक्त के निर्देश पर पेयजल समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु अपर समाहर्ता के नियंत्रण में जिला कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। मोबाइल : 9117619352 लैंडलाइन : 06541-253219 यहां प्राप्त शिकायतों को तत्काल संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को अग्रसारित कर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

24 अप्रैल से अभियान की शुरूआत : विभिन्न पंचायतों में शिविर आयोजित

उपायुक्त के निदेर्शानुसार पखवाड़ा के प्रथम दिन 24 अप्रैल को जिले के विभिन्न प्रखंडों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।चतरा सदर प्रखंड के लेम एवं जांगी, गिद्धौर के गिद्धौर, हंटरगंज के जोलडीहा एवं गेरुआ, प्रतापपुर के घोड़दौड़ एवं एघारा, कुंदा के कुंदा, लावालौंग के रिमी, सिमरिया के जीवाखुर्द एवं जांगी, इटखोरी के कोनी एवं परसौनी, मयूरहंड के कदगांवां कला, कान्हाचट्टी के बैंगोकला तथा टंडवा के राहम एवं मिश्रौल पंचायतों में शिविर लगाए जाएंगे।नगर परिषद क्षेत्र में वार्ड संख्या 1 (नगर परिषद चतरा) एवं वार्ड संख्या 2 (आश्रयगृह डोमसिटवा) में भी शिविर आयोजित होंगे, जहां आमजनों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा।

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई : जवाबदेही तय

उपायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि यह पखवाड़ा आपदा प्रबंधन के अंतर्गत संचालित होगा। यदि कोई पदाधिकारी या कर्मी बिना अनुमति अनुपस्थित पाया जाता है अथवा कार्य में लापरवाही बरतता है, तो उसके विरुद्ध आपदा प्रबंधन अधिनियम-2005 एवं झारखंड पंचायती राज अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।पखवाड़ा समाप्ति के बाद भी यदि किसी निरीक्षित पंचायत में पेयजल संकट की शिकायत मिलती है, तो संबंधित निरीक्षण दल को व्यक्तिगत एवं सामूहिक रूप से जिम्मेदार माना जाएगा।

व्यापक प्रचार-प्रसार का निर्देश : अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित

उपायुक्त श्री रवि आनंद ने जिला जनसंपर्क पदाधिकारी एवं सभी प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि निरीक्षण के दौरान अधिक से अधिक ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित हो सके और यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले।

आशुतोष शेखर झारखंड के सफलतम आईपीएस अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2014 बैच के लोकप्रिय कर्मठ एवं उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले आशुतोष शेखर को उनके बेहतर कार्य दक्षता और अनुभव को देखते हुए गढ़वा जिला का पुलिस कप्तान बनाया गया है। श्री शेखर अपने बेहतर कार्यों तथा अपराध नियंत्रण और नक्सलियों के विरुद्ध जबर्दस्त अभियान चलाकर हमेशा नक्सलियों को बैक फुट पर भेजा। पश्चिम सिंहभूम जिला में सर्वाधिक समय तक पुलिस कप्तान रहने का रिकॉर्ड इनके नाम है और अपने पद स्थापना काल में इन्होंने पूरे जिला में नक्सलियों के विरुद्ध सदन अभियान चलाकर नक्सलियों की सफाई इस जिला से करने में सफल भी रहे। इसी का यह परिणाम रहा कि मुख्यमंत्री निरंतर जब भी इस जिला में परिभ्रमण के दौरान पहुंचे तो पुलिस कप्तान के कार्यों को काफी सारा और उन्हें हमेशा प्रोत्साहित भी किया श्री शेखर सर्वप्रथम धनबाद के एसडीपीओ एवं सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित रहे तत्पश्चात ग्रामीण पुलिस अधीक्षक रांची और उसके बाद खूंटी के लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक के रूप में काफी समय तक पदस्थापित रहे खूंटी के पश्चात उन्हें पश्चिम सिंहभूम चाईबासा का पुलिस अधीक्षक बनाया गया जहां सर्वाधिक समय तक पुलिस अधीक्षक बनने का रिकॉर्ड उनके नाम ही है वर्तमान समय में उन्हें गढ़वा जिला का पुलिस कप्तान बनाया गया है इनके पुलिस गद्यांश बनने से गढ़वा जिला वीडियो में बेहद उत्साह और उमंग देखा जा रहा है इसके प्रमुख वजह क्या है कि श्री शेखर काफी लोकप्रिय और जंत्रीय पुलिस अधीक्षक रहने के साथ-साथ पुलिस आम लोगों के बीच प्रगाढ़ संबंध बनाने के भी हमेशा पक्षधर हैं ऐसे आईपीएस अधिकारी से निश्चित तौर पर विभाग जिला और राज्य गौरवान्वित हुआ करता है।

कतरास राजबाड़ी में शॉर्ट सर्किट से दो मंजिले मकान में लगी भीषण आग

संवाददाता

धनबाद : कतरास के राजबाड़ी ग्वाला टोला में मंगलवार को दिन के करीब 11 बजे रामजी गोप के दो मंजिले मकान में शॉर्ट सर्किट से भीषण आग लग गई। संयोगवश घटना के समय घर पर कोई नहीं था। इससे बड़ा हादसा टल गया। अगलगी में आठ लाख रुपए की संपत्ति के नुकसान की बात कही जा रही है। जानकारी के अनुसार घर के पुरुष सदस्य गाय चराने गए थे जबकि महिलाएं नदी में स्नान के लिए गई थीं। इसी दौरान शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। इससे घर के अंदर रखे लगभग सारे सामान जलकर राख हो गए। भुक्तभोगी रामजी गोप के अनुसार इस अगलगी में करीब 8 लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। उन्होंने आपदा प्रबंधन व प्रशासन से मुआवजा दिलाने की गुहार लगायी है।अगलगी की सूचना पर कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दमकल विभाग को बुलाया गया। हालांकि दमकल की गाड़ी दोपहर करीब 1:30 बजे पहुंची, तब तक अधिकांश सामान जल चुके थे। रामजी गोप ने बताया कि घटना के वक्त वे घर पर नहीं थे। सूचना मिलते ही वे भागते हुए पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाने की कोशिश में जुट गए। इसी दौरान दमकल की गाड़ी पहुंची और आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक घर का लगभग सामान जल कर राख हो गया। घर में जगह-जगह दरारें आ गयी हैं।सूचना पर बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो और पार्षद मधुमाला मौके पर पहुंचे। पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव मदद और मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। रामजी गोप के परिवार में उनकी मां फिरोला देवी, पत्नी ज्योत्सना देवी, पुत्र दिवाकर कुमार, पुत्री पूर्णिमा कुमारी और भांजा संतोष गोप हैं। हादसे ने पूरे मोहल्ले को झकझोर कर रख दिया है।रिश्तेदारों से मांगे गए डेढ़ लाख रुपये भी जलेरामजी गोप की एक गाय आठ दिन पूर्व मर गई थी। इसके बाद उन्होंने अपने रिश्तेदारों से गाय खरीदने के लिए डेढ़ लाख रुपये मांग कर घर के अंदर अटैची में रखे थे। आगलगी में डेढ़ लाख रुपये नकद, जेवरात समेत जरूरी कागजात, पंखा, कूलर, टीवी आदि सामान जलकर नष्ट हो गए। घर में बंधी तीन गायों को पड़ोसियों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे एक बड़ा नुकसान टल गया। आग की तीव्रता बढ़ाने में घर में रखे गोयठा (उपले) ने भी अहम भूमिका निभाई। इस अगलगी की चपेट में पड़ोसी संजय गोप और बिपिन गोप के घरों को भी आंशिक नुकसान हुआ है। जली सामग्रियों को ट्रैक्टर से फेंकवाया गया।

रेलवे देगा यात्रा का बेहतर वृतांत लिखने पर पुरस्कार

जमशेदपुर : ट्रेन यात्रा का बेहतर वृत्तांत लिखने वालों को रेलवे चार श्रेणियों में 4 से 10 हजार रुपये तक पुरस्कार देगा। रेलवे की प्रतियोगिता में यात्रियों के साथ कर्मचारी भाग ले सकते हैं। इससे 31 जुलाई तक 3000 से 3500 शब्द में रेल यात्रा के अनुभव को हिन्दी में मांगा गया है। लोगों को यात्रा वृतांत रेलवे राजभाषा विभाग के दिल्ली कार्यालय में भेजना होगा। मालूम हो कि हिंदी को बढ़ावा देने के लिए रेलवे में आए दिन कोई ना कोई कार्यक्रम होता रहता है। टाटानगर स्टेशन पर भी हिंदी पुस्तकालय खोला गया है।

एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय में चला स्वच्छता अभियान

पटमदा : एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय पटमदा में मंगलवार को रुआर कार्यक्रम के तहत स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न क्लबों के सहयोग से विद्यालय परिसर में सफाई अभियान चलाया गया और कक्षाओं में कूड़ेदान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई। विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन और अलग-अलग डस्टबिन के उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही किचन गार्डन को सुदृढ़ करने की दिशा में भी पहल की गई।

केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर पहुंचाने पर जोर

जमशेदपुर : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर आयोजित बैठक में विभिन्न योजनाओं गरीब कल्याण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास व रोजगार पर चर्चा हुई। नरेंद्र मोदी विकास मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद कुमार विद्यार्थी ने कहा कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने राज्य सरकार से प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। चाईबासा-कोल्हान क्षेत्र में योजनाओं के प्रचार-प्रसार की सराहना की गई।

पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं बच्चे : राकेश रंजन

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सदर मेदिनीनगर में विश्व पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) : पर्यावरण का रक्षा करना हम सभी का धर्म होना चाहिए। बच्चे पर्यावरण संरक्षण को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। उक्त बातें पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव राकेश रंजन ने कही। वे बुधवार को विश्व पृथ्वी दिवस पर सदर मेदिनीनगर प्रखंड स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका प्लस टू विद्यालय में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने स्कूल की बच्चियों को संबोधित करते हुए कहा कि मरुस्थलीकरण के बढ़ते खतरे व गिरते भू- जलस्तर पर सभी को चिंता करनी चाहिए। प्लास्टिक का त्याग कर छोटी-छोटी व बेहतर आदतों से हम धरती को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के जल को बचाने से ही मानव जीवन आगे बढ़ पाएगा। ऐसे में जरूरत है कि बच्चियां छुट्टियों में जब भी घर पर जाएं तो अपने आस पड़ोस, माता-पिता व भाई-बहन को पर्यावरण संरक्षण के लिए बताई गई बातों को उन तक रखें। उन्होंने कहा कि पौधे को लगाना और उसे बचाने के लिए जागरूकता जरूरी है। डीएलएसए सचिव ने बाल विवाह व डायन प्रथा को लेकर बच्चियों को जागरूक किया। कहा कि आस- पड़ोस में कहीं भी डायन प्रथा या बाल विवाह की घटना घट रही हो तो उसकी सूचना बीडीओ, डीसी, एसपी व डीएलएसए को सीधे फोन के माध्यम से दे सकते हैं, त्वरित कार्रवाई होगी।

मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता वीणा मिश्रा ने कहा कि आज विश्व पृथ्वी दिवस है। पृथ्वी मां के समान है। इस पर किसी तरह की गंदगी नहीं फैलानी चाहिए। किसी के जन्म दिवस पर पेड़ पौधे लगाने चाहिए। उन्होंने बच्चियों को गुड व बैड टच के बारे में विस्तार से बताया। डायन प्रथा समाप्त करने के लिए बच्चियों को शपथ भी दिलाई। इसके पहले कार्यक्रम का संचालन करते हुए एलएडीसी डिप्टी चीफ संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि पृथ्वी मां के समान है।इन्हें दूषित होने से बचाना सभी का कर्तव्य व धर्म है। पर्यावरण संतुलित रहेगा तभी मानव स्वस्थ रह पाएंगे नहीं तो दिल्ली व मुंबई जैसे शहरों में सांस लेना मुश्किल हो गया है, वैसा ही समस्या हर जगह हो जाएगी। इससे बचने के लिए पेड़ पौधे लगाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार सभी समस्या का समाधान करता है। जिन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है उन योजनाओं का लाभ भी दिलाता है। जो गरीबी रेखा के अंतर्गत है उन्हें कोर्ट में एक रूपए भी फीस नहीं देनी पड़ती है। उन्होंने डालसा से मिलने वाली सुविधाओं को विस्तार से बताया। कहा कि बच्चियां घर पर जाए तो गांव के लोगों को डीएलएसए के बारे में जरूर जागरूक करें। मौके पर बच्चियों ने विश्व पृथ्वी दिवस पर एक से बढ़कर एक पोस्टर का भी निर्माण किया। साथ ही पोस्टर को डीएलएसए के सचिव राकेश रंजन को समर्पित किया। सचिव ने चित्रकला को देख काफी प्रसन्न हुए। साथ ही बच्चों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने बच्चों के बीच निबंध प्रतियोगिता आयोजित कराने पर भी बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की वार्डन प्रीति कुमारी ने किया। मौके पर पीएलभी शैलेंद्र तिवारी, विद्यालय की शिक्षिका वर्षा कुमारी, रूबी कुमारी, मिलिमा देव, रागिनी रंजन, रूपा मेहरा, संधि सुधा, बबीता कुमारी, कल्पना कुमारी, कुमारी, रीति बाला, चंदा, विभा, लेखापाल राजा राम पाल, होम गार्ड प्रियंका, गुडन, गार्ड अजय विश्कर्मा मौजूद थे।